संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 86
पृष्ठ 8
शनिवार
13 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिलीप कुमार की १०३वीं जयंती....
विचार- यह हमें ही तय करना होगा कि हम ...
खेल- भारत कैसे जीतेगा टी20 विश्वकप?...

किसान पाठशाला 8.0 : खेत में उतरे सीएम योगी, कृषकों से किया संवाद, बोले-

देश के कुल कृषि उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत

बाराबंकी, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बाराबंकी के दौलतपुर गांव में प्रगतिशील किसान सम्मेलन एवं 'खेती की बात खेत पर' कार्यक्रम में रबी सत्र की किसान पाठशाला 8.0 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने यूपी की कृषि में प्रगति, बहुफसली खेती, तकनीकी नवाचार, एमएसपी की पारदर्शिता और किसानों की आय वृद्धि के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में भी बताया। इस अवसर पर प्रगतिशील किसानों का सम्मान किया गया, लाभार्थियों को चेक व स्वीकृति पत्र वितरित किए गए तथा उन्नत फसलों, यंत्रों व एफपीओ नवाचारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दौलतपुर की उन्नत खेती को अन्य जिलों के लिए प्रेरणा बताया गया। सीएम योगी ने कहा कि खेत पर जाकर चुनौतियां समझना और नवोन्मेषी तकनीकों को अपनाना ही कार्यक्रम का उद्देश्य है। डबल इंजन सरकार

किसानों की खुशहाली को प्राथमिकता दे रही है और विकसित भारत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। यूपी के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि पहली बार मुख्यमंत्री किसान के खेत पर खेती की चर्चा करने आए हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से नए आयाम स्थापित कर रहा है। दौलतपुर गांव में बहुफसली खेती (केला, आलू, टमाटर, सरसों, गन्ना, गेहूं) और नई तकनीक से किसान समृद्ध हो रहे हैं। बाराबंकी मॉडल जनपद के रूप में उभर रहा है और अन्य जिलों के किसानों को यहां के प्रयोग अपनाने चाहिए। एक एकड़ में 250 क्विंटल आलू और दो लाख रुपये का केला उत्पादन कम लागत में ज्यादा उत्पादन का उदाहरण है। पद्मश्री से सम्मानित किसान रामशरण वर्मा जैसे प्रगतिशील किसान और एफपीओ मॉडल दूसरों को प्रेरित कर रहे हैं। शाही ने कहा कि पीएम मोदी की आय दोगुनी करने की सोच से यूपी में किसानों की आमदनी तीन गुना होने की दिशा में बढ़ रही है। इस अवसर पर पद्म श्री से सम्मानित प्रगतिशील किसान रामशरण वर्मा ने किसानों से बाजार की मांग के अनुरूप खेती पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही है। वहीं, इफको के चेयरमैन दिलीप संघाणी ने सहकारिता को कृषि से जोड़कर गांवों की समृद्धि बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने समग्र विकास की राह पकड़ी है। 25 करोड़ की आबादी वाला यह सबसे बड़ा राज्य उर्वर भूमि, जल संसाधनों और बेहतर कनेक्टिविटी के बल पर कृषि व अवसंरचना में अग्रणी बन रहा है। यूपी की कुल कृषि योग्य भूमि देश की 11 प्रतिशत है, लेकिन खाद्यान्न उत्पादन में योगदान 21 प्रतिशत है। सरकार ने बीज से बाजार तक सुविधाएं देकर उत्पादन बढ़ाया और लागत कम की। सॉइल हेल्थ कार्ड, फसल बीमा, समय पर गन्ना भुगतान, मंडी विस्तार और स्टोरेज–प्रोसेसिंग सुविधाओं से किसानों को सीधा लाभ मिला है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लाभार्थी किसानों को ट्रैक्टर की चाबियां सौंपीं तथा विभिन्न योजनाओं के तहत चेक और स्वीकृति पत्र वितरित किए। प्रगतिशील किसानों दृ पंकज कुमार, संजय कुमार यादव, संतोष कुमार सिंह, अमित मिश्रा, चंद्रशेखर प्रजापति, गुरुदत्त सिंह, गुरतेग सिंह, दिनेश चंद्र वर्मा, राम इकबाल वर्मा, बबलू कश्यप तथा प्रगतिशील किसान रामशरण वर्मा दृ को सम्मानित किया गया। वहीं, देशराज, दिनेश प्रताप सिंह, धीरेंद्र वर्मा, अजय कुमार वर्मा और अखिलेश कुमार जैसे लाभार्थियों को विभिन्न अनुदानों के चेक मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के अलावा राज्य के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, अन्य मंत्री, विधायक, इफको पदाधिकारी, अधिकारी और किसान उपस्थित रहे। इस दौरान कृषि प्रयासों पर आधारित लघु फिल्म का भी प्रदर्शन हुआ।

मोदी जी चर्चा करिए, हम साथ खड़े हैं...

राहुल ने संसद में सरकार को 'फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट' क्यों भेजी?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद में भारत में बिगड़ते वायु प्रदूषण पर तत्काल और व्यवस्थित बहस की मांग की है। इसे एक जन स्वास्थ्य आपातकाल बताते हुए कहा कि यह सभी दलों के लिए चिंता का विषय है। सरकार ने इस चर्चा के लिए तत्परता दिखाई। शून्यकाल के दौरान बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के सबसे बड़े शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे अधिकांश प्रमुख शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। यह एक दिलचस्प मुद्दा है क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि इस मुद्दे पर सरकार और हम सभी के बीच पूर्ण सहमति होगी। इसके अलावा, पूर्व कांग्रेस

अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि यह उन दुर्लभ मुद्दों में से एक है जिन पर सदन में पूर्ण सहमति बन सकती है। उन्होंने कहा कि यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है और आगे कहा कि सरकार और विपक्ष दोनों की इस पर प्रतिक्रिया देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से पूर्ण बहस की अनुमति देने और ठोस उपाय करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस पर दलगत राजनीति छोड़कर सभी पार्टियों को साथ बैठना चाहिए और अगले 5–10 साल के लिए एक ठोस प्लान बनाना चाहिए। राहुल गांधी के सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और लोकसभा की व्यापार सलाहकार समिति इसके लिए समय आवंटित कर सकती है। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा उठाया गया मुद्दा व्यापार सलाहकार समिति के संज्ञान में भी लाया गया। सरकार ने पहले दिन से ही यह स्पष्ट कर दिया है कि वह विपक्ष के सुझावों को साथ लेकर सभी महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करने और समाधान निकालने के लिए तैयार है। हम देखेंगे कि इस चर्चा को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

राजनीति बंद कर समाधान ढूंढ़ें, प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रदूषण पर चर्चा की मांग का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वायु प्रदूषण पर चर्चा की मांग का स्वागत किया और जोर देकर कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय हमें इसका समाधान ढूंढना चाहिए, क्योंकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इससे पीड़ित हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने इस बात पर बल दिया कि दिल्लीवासियों को ऐसा लगता है मानो वे हर दिन जहरीली हवा में सांस ले रहे हों और भाजपा के सत्ता में होने के बावजूद इस मुद्दे पर बहस न होने की आलोचना करते हुए कहा कि यह कभी आम

आदमी पार्टी के खिलाफ हमले का एक प्रमुख मुद्दा हुआ करता था। एएनआई से बात करते हुए चतुर्वेदी ने कहा मैं इसका स्वागत करता हूं। ऐसा लगता है जैसे हम हर दिन जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। आम आदमी पार्टी के सत्ता में रहते हुए भाजपा इस मुद्दे पर चर्चा करती थी, लेकिन सरकार बनने के बाद भी इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इससे पीड़ित हैं। इस पर राजनीति करने के बजाय हमें इसका समाधान ढूंढना चाहिए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिगड़ते वायु प्रदूषण संकट पर संसद में व्यापक चर्चा के राहुल गांधी के आह्वान का समर्थन करते हुए कहा कि यह मुद्दा अत्यावश्यक है और ष्सरकार को एक अच्छी कार्य योजना बनानी चाहिएष और उसे आगे बढ़ाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि वायु प्रदूषण हर साल बढ़ता जा रहा है और इसके लिए एक समन्वित राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह सहमत हूं और मुझे लगता है कि सभी सहमत होंगे। सरकार ने भी कहा है कि हम सभी को इस पर चर्चा करनी चाहिए और एक कार्य योजना बनानी चाहिए।

2027 में होने वाली जनगणना के लिए कैबिनेट ने दी 11718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। कैबिनेट ने शुक्रवार को तीन महत्वपूर्ण फैसलों का मंजूरी दी। कैबिनेट ने जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कोयला लिंकेज नीति में सुधार के लिए कोलसेटू नीति को भी मंजूरी दी है। सरकार ने खोपरा 2025 सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को भी नीतिगत मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जनगणना 2027 की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभ्यास होगा। जनगणना 2027 अब तक की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। जनगणना केंद्र का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के तहत इसे किया जाता है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। कोविड महामारी के कारण जनगणना 2021 आयोजित नहीं की जा सकी। इससे पहले 16 जून 2025 को जनगणना 2027 की

राजपत्र अधिसूचना जारी की गई। जनगणना 2027 की अनुमानित लागत 11,718 करोड़ रुपये होगी

दो चरणों में होगी जनगणना

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 को 00रू00 बजे होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए यह तिथि 1 अक्तूबर 2026 को 00रू00 बजे होगी। वैष्णव ने कहा, ष्जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास जनगणना (भ्स्व्) होगी। इसे अप्रैल से सितंबर 2026 तक अंजाम दिया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या की गिनती (च्) होगी। यह फरवरी 2027 से शुरू होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों में सितंबर 2026 से शुरू होगी।

30 लाख लोग जनगणना को देंगे अंजाम

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जाति गणना को भी जनगणना 2027 में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार स्व–गणना का भी विकल्प प्रदान किया जाएगा। जनगणना–एक–सेवा ऐ विभिन्न मंत्रालयों/राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को उपयोगकर्ता के अनुकूल, मशीन–पठनीय और कार्रवाई योग्य प्रारूप में डैशबोर्ड जैसी सुविधाओं के साथ डेटा उपलब्ध कराएगी। जनगणना के दौरान राष्ट्रव्यापी जागरूकता, समावेशी भागीदारी, अंतिम छोर तक जुड़ाव और जमीनी कार्यों के समर्थन के लिए लक्षित और व्यापक प्रचार अभियान चलाया जाएगा। इस कार्य में लगभग 30 लाख जमीनी कार्यकर्ता शामिल होंगे और 1.02 करोड़ मानव–दिवस का रोजगार सृजित होगा।

कोयले से जुड़ी सुधार नीति को कैबिनेट की मंजूरी

केंद्रीय कैबिनेट ने 'कोयला लिंकेज नीति में सुधारः कोलएसईटीयू' को भी नीतिगत मंजूरी दी है। वैष्णव ने कहा, भारत कोयले के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। 2020 में कोयले का वाणिज्यिक खनन शुरू हुआ, जिससे घरेलू कोयले की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। भारत ने 2024–25 में पहली बार एक वर्ष में 1 अरब टन कोयले के उत्पादन का आंकड़ा पार किया। 2024–25 में कुल उत्पादन 1. 048 अरब टन रहा। खपत के प्रतिशत के रूप में आयात लगातार घट रहा है। 2024–25 में आयात में 7.9ः की कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 60,700 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई।

जुबीन गर्ग मामला : चार आरोपियों पर मर्डर चार्ज, चचेरे भाई पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शुक्रवार, 12 दिसंबर को गुवाहाटी की एक अदालत में अपना आरोप पत्र दाखिल किया। गिरफ्तार सात आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। इनमें से चार पर हत्या का आरोप है, जबकि गर्ग के चचेरे भाई पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। वकीलों ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आज सुबह दाखिल की गई 3,500 से अधिक पृष्ठों की आरोपपत्र में आरोपियों के नाम श्यामकानु महंत, सिद्धार्थ शर्मा, शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत हैं। इस बीच, गायक के चचेरे भाई और निलंबित असम पुलिस अधिकारी संदीपान गर्ग पर गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है। गायक की मौत की जांच के लिए असम सरकार द्वारा गठित विशेष जांच समिति (एसआईटी) का नेतृत्व विशेष डीजीपी एम पी गुप्ता कर रहे हैं। गुप्ता ने पुष्टि की कि सात व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है। उन्होंने मीडिया को बताया कि हमने आज गुवाहाटी स्थित मुख्य न्यायिक न्यायाधीश कामरूप की अदालत में विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किए गए 7 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। ये आरोपी हैं सिद्धार्थ शर्मा, श्यामकानु महंत, शेखर ज्योति गोस्वामी, अमृत प्रभा महंत, संदीपान गर्ग, नंदेश्वर बोहरा और परेश बैश्य। 4 आरोपियों के खिलाफ हत्या का आरोप और 1 आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का आरोप तय किया गया है। मुख्य आरोपपत्र लगभग 2,500 पृष्ठों का है और इसमें कई अन्य दस्तावेज भी शामिल हैं। इसलिए, अगर हम इन्हें मिला दें तो यह 12,000 पृष्ठों का हो जाएगा। इस बीच, गुप्ता ने पहले कहा था कि इस मामले में सात गिरफ्तारियां की गई हैं, जिनमें महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत भी शामिल हैं, और 300 से अधिक गवाहों से पूछताछ की गई है। महंत उत्तर पूर्व भारत महोत्सव के मुख्य आयोजक थे, जिसमें गर्ग ने भाग लिया था और 19 सितंबर को समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई थी।

अमृतसर में हाई अलर्टः 15 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, खालिस्तानी संगठन का मेल सामने आया

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के अमृतसर में शुक्रवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके चलते छात्रों को स्कूलों से बाहर निकाला गया और अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी। जिला प्रशासन ने अमृतसर के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया, क्योंकि अभिभावक अपने बच्चों को लेने के लिए स्कूलों की ओर दौड़ पड़े। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने एक बयान में कहा कि शहर और ग्रामीण इलाकों के कुछ स्कूलों को संदिग्ध ईमेल मिले हैं। प्रत्येक स्कूल में एक राजपत्रित अधिकारी तैनात किया गया है और तोड़फोड़ रोधी जांच

जारी है। साइबर पुलिस स्टेशन ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, अमृतसर पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि स्कूलों को मिली बम की धमकियां झूठी थीं और मामले की जांच जारी है। भुल्लर ने कहा कि अमृतसर जिले के आसपास के ग्रामीण इलाकों में कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं। सभी वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत मौके पर भेजा गया और परिसरों को सुरक्षित कर लिया गया... धमकियां झूठी निकलीं... जांच जारी है। इस बीच, एडीसीपी–2, सिरिवेन्नेला ने बताया कि अधिकारियों ने तोड़फोड़ रोधी जांच की है और चिंता की कोई बात नहीं है। दस से बारह स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं। हमने सभी स्कूलों में तोड़फोड़ रोधी जांच की है। चिंता की कोई बात नहीं है; यह सिर्फ एक झूठी कॉल थी। हम पता लगा रहे हैं कि ये ईमेल किसने भेजे हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ दिन पहले लक्ष्मी नगर स्थित दिल्ली के एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके चलते स्कूल को खाली कराया गया। यह धमकी सुबह करीब 10:40 बजे फोन पर मिली, जिसमें दावा किया गया था कि लवली पब्लिक स्कूल के अंदर एक विस्फोटक उपकरण लगाया गया है।

डीजीसीए ने इंडिगो संकट मामले में चार अधिकारियों को किया बर्खास्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो संकट मामले में चार फ्लाइट ऑपरेशन्स इंस्पेक्टर (एफओआई) पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बर्खास्त कर दिया है। डीजीसीए के 11 दिसंबर को जारी आदेश में कहा गया है कि ये अधिकारी तत्काल प्रभाव से डीजीसीए की सेवा से मुक्त कर दिये गये हैं और अपने मूल संगठनों में वापस चले जायेंगे। जिन अधिकारियों पर कार्रवाई की गयी है। उनमें कंसल्टेंट (डिप्टी चीफ एफओआई) ऋषिराज चटर्जी, सीनियर एफओआई सीमा झमनानी, कंसल्टेंट (एफओआई) अनिल कुमार पोखरियाल और कंसल्टेंट (एफओआई) प्रियम कौशिक शामिल हैं।

56 पूर्व न्यायाधीशों की महाभियोग पर कड़ी प्रतिक्रिया, कहा-

न्यायपालिका को डराने का प्रयास

मद्रास, एजेंसी। 56 पूर्व न्यायाधीशों ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन के खिलाफ संसद में विपक्षी सांसदों द्वारा लाए गए महाभियोग नोटिस का विरोध करते हुए एक खुला पत्र लिखा। अपने बयान में पूर्व न्यायाधीशों ने महाभियोग की इस कार्रवाई को समाज के एक विशेष वर्ग की वैचारिक या राजनीतिक अपेक्षाओं से असहमत न्यायाधीशों को डराने–धमकाने का एक बेशर्म प्रयास बताया। हम, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और माननीय उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश, मद्रास उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन पर महाभियोग

चलाने के प्रयास का घोर विरोध करते हैं, जिसे कुछ संसद सदस्यों और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। यह समाज के एक विशेष वर्ग की वैचारिक और राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप न चलने वाले न्यायाधीशों को धमकाने का एक घिनौना प्रयास है। बयान में कहा गया कि यदि ऐसे प्रयास को आगे बढ़ने दिया गया, तो यह हमारे लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की जड़ों को ही नष्ट कर देगा। यदि हस्ताक्षरकर्ता संसद सदस्य (सदस्यों) द्वारा बताए गए कारणों को अक्षरशः मान भी लिया जाए।

प्रयागराज के नैनी में भीषण जाम, यातायात व्यवस्था ध्वस्त

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के यमुनापार नैनी में यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। यमुनापार के नैनी में अतिक्रमण के चलते भीषण जाम की स्थिति बन रही है। सड़क पर वाहन 3 घंटे तक रेंग रहे है। इतना ही नहीं सड़क पर चलने वाले आपस में टकराकर हादसे का शिकार भी हो रहे है। लेकिन

इस ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए ट्रैफिक पुलिस किसी भी चौराहे पर नहीं तैनात है। स्थानीय पुलिस भी इस जाम से राहगीरों को निजात नहीं दिला पा रही है। नैनी के कई ऐसे चौराहे है जहां पर अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति बन रही है। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर निगम के अधिकारी भी सफल नहीं हो पा रहे है। कई बार सड़क पर अतिक्रमण के कारण हादसे भी हुए लेकिन अतिक्रमण नहीं हट सका। नैनी का ऐसा कोई भी चौराहा नहीं है जो अतिक्रमण से घिरा न हो। तीन घंटे तक जाम में रेंगते रहे वाहन नैनी के मेवा लाल की बगिया से सरगम तिराहे और टीएसएल पावर हाउस तक भीषण जाम लगा रहा। जाम की स्थिति यह रही कि जो जहां खड़ा रुका, एक घंटे तक हिल नहीं सका। इस जाम का कारण एक और भी है। चौराहे पर बेतरतीब खड़े वाहन और बड़े दुकानों के बाहर वाहन है। वीआईपी और एम्बुलेंस भी जाम में फंसे तीन घंटे के इस जाम में वीआईपी और एम्बुलेंस के साथ जज के साथ नेताओं के वाहन भी फंसे रहें इस दौरान उनके वाहनों में लगे सायरन की आवाज से अफरा तफरी भी मची रही। हालांकि इस भीषण जाम में फंसने के बाद उनके निकलने का रास्ता नहीं बन सका। वह भी आम लोगों की तरह जाम में जूझते रहे।

कोडीन सिरप घोटाले के आरोपी की याचिका खारिज

प्रयागराज (संवाददाता)। कोडीन कफ सिरप मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपी पर झारखंड से बड़ी मात्रा में सिरप मंगवाकर उसे बाजार में अवैध रूप से बेचने बेचता था। गाजीपुर के नीलेश कुमार श्रीवास्तव की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने यह आदेश पारित किया। नीलेश के वकील की दलील थी कि वह अपनी फर्म मार्च 2025 में ही बंद कर चुका है। उसने पहले जो व्यवसाय किया था, उससे संबंधित दस्तावेज भी नारकोटिक्स विभाग के अधिकारियों को उपलब्ध करा दिया है। राज्य सरकार की ओर से याचिका का जबरदस्त तरीके से विरोध किया गया। अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी और अपर शासकीय वकील प्रथम परितोष कुमार मालवीय ने कोर्ट को बताया कि पूरा मामला अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट से जुड़ा है। इस मामले में पूरे प्रदेश में अब तक 128 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं। कई राज्यों से तार जुड़ रहे हैं। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। अब तक की जांच में सामने आया है कि याची और दूसरे आरोपी फर्जी फर्में बना कर प्रतिबंधित ड्रग कोडीन सिरप का लेबल लगा कर अवैध रूप से बाजार में बेच रहे थे। वाराणसी में इसका बड़ा हब सामने आया है। याची और उसके पिता भी फर्जी नाम से कारोबार कर रहे थे। बरामद दस्तावेजों से गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। कोर्ट का कहना था कि प्रकरण की जांच अभी पूरी नहीं हुई है। एसआईटी जांच चल रही है। इस स्तर पर प्राथमिकी में हस्तक्षेप का औचित्य नहीं है। कुछ देर की बहस के बाद याची के वकील ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया। जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने याचिका वापस लेने के आधार पर खारिज कर दी।

कफ सिरप तस्करी के प्रयागराज से भी जुड़े तार

प्रयागराज (संवाददाता)। कोडीन युक्त कफ सिरप तस्करी की अवैध खरीद–फरोख्त नेटवर्क के तार प्रयागराज से भी जुड़े पाए गए हैं। यहां दो अलग–अलग फर्मों द्वारा कोडीन युक्त कफ सिरप की लाखों बोतलें बिना किसी वैध रिकॉर्ड के खरीदे और बेचने में दर्ज दो मुकदमों में से एक की जांच में यह बात सामने आई है। एयरपोर्ट थाने में दर्ज इस मुकदमे की जांच में यह सामने आया है कि सिरप की बड़ी खेप रांची (झारखंड) से मंगाई गई और फिर वाराणसी सहित कई शहरों में अवैध रूप से सप्लाई की गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस मामले की अब तक कि जांच में यह भी साफ हो गया है कि कोडीन युक्त कफ सिरप की लगभग 10 लाख बोतलों का कारोबार बिना किसी रिकॉर्ड के किया गया। प्रारंभिक छानबीन में यह सामने आया कि मेसर्स शैली ट्रेडर्स,

दुपूदाना इंडस्ट्रियल एरिया हटिया रांची झारखंड की ओर से यूपी में बड़े पैमाने पर कोडीन युक्त कफ सिरप का सप्लाई किया गया। इनमें से 9,67,724 बोतल कफ सिरप धूमन गंज के लखनपुर स्थित एमके हेल्थकेयर को भेजी गई। यह सप्लाई 15 जनवरी से 24 जून तक हुई। खरीदी गईं कफ सिरप में से करीब 90 हजार बोतलों की सप्लाई वाराणसी के सारनाथ की एक फर्म को की गई। लेकिन बाकी के संबंध में फर्म की ओर से कोई रिकॉर्ड नहीं प्रस्तुत किया जा सका। ऐसे में माना जा रहा है कि सिरप को भारी मात्रा में गैर चिकित्सकीय, नशे के रूप में प्रयोग करने के लिए विक्रय किया गया। पुलिस अब प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की तफ्तीश में जुटी है। गौरतलब है कि 29 नवंबर को एयरपोर्ट थाने में एमके हेल्थ केयर के प्रोपराइटर मोहम्मद सैफ के खिलाफ एफआईआर हुई थी। आरोप है कि जनवरी से जून 2025 तक करीब 10 लाख बोतलें कोडीनयुक्त सिरप खरीदी और बेची गईं, लेकिन जब विभाग ने रिकॉर्ड मांगा, तो प्रोपराइटर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। फर्मों ने न तो स्टॉक का हिसाब दिया और न ट्रांसपोर्ट की कोई जानकारी उपलब्ध कराई।

प्रयागराज में 25 दिन से लड़की लापता

पुलिस मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या लोग धरने पर बैठे, जल्द बरामदगी की मांग

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सोरांव थाना क्षेत्र की रहने वाली किशोरी प्रिया मिश्रा के कथित अपहरण को 25 दिन बीत जाने के बाद भी बरामदगी न होने से परिजनों और संगठन से जुड़े लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जिसको लेकर प्रयागराज पुलिस मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या में लोग धरने पर बैठ गए।

धरने में बैठे लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। अखिल भारतीय जनसंघ के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप पांडे ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आने के बाद जब इसे उठाया गया तो प्रशासन ने तीन दिन में लड़की बरामद करने का

आश्वासन दिया है।

प्रिया का अपहरण दो लड़कों ने किया

कुलदीप पांडे के मुताबिक प्रिया का अपहरण दो लड़कों ने किया है। लगभग एक महीने गुजरने के बाद भी कोई ठोस सुराग नहीं मिला। हमारी सीधी मांग है कि लड़की जल्द से जल्द बरामद हो। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, उनके घर तक गिराए जाएं।

उन्होंने आरोप लगाया कि लड़कियों को सुनियोजित तरीके से टारगेट कर लव अफेयर में फंसाने जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। पांडे ने कहा कि कुछ नेताओं के विवादित बयान सामाजिक तनाव को बढ़ा रहे हैं। जिससे ब्राह्मण समाज को बदनाम करने जैसी स्थिति पैदा होती है।

संगठन अध्यक्ष ने दावा किया कि अपहरण में शामिल आरोपी एससी समुदाय के युवक, जिनमें एक का नाम सचिन बताया गया है, संदिग्ध हैं। उन्होंने कहा पुलिस कह रही है कि पूरा तंत्र लगाया गया है, लेकिन अभी तक कोई क्लू नहीं मिला। धरना शुरू करने की सूचना पर प्रशासन ने तीन दिन में बरामदगी का आश्वासन दिया है।

जब तक लड़की नहीं मिलती, हम धरने पर बैठे रहेंगे। चाहे 3 दिन लगें, 4 या 5। कुलदीप पांडे ने स्पष्ट किया कि आंदोलन तब तक जारी रहेगा। जब तक किशोरी सुरक्षित बरामद नहीं हो जाती।

भाजपा–विहिप की पिच पर कांग्रेस सांसद की बैटिंग

सांसद उज्जवल रमण ने गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की संसद में उठाई मांग

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद से कांग्रेस सांसद उज्जवल रमण सिंह ने संसद में गाय को राष्ट्रमाता या राज्यमाता का दर्जा देने की मांग उठाई है। राजनीतिक गलियारों में उनके इस कदम को आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। एक चर्चा यह भी है कि चुनाव में हिंदू वोट बैंक पर पकड़ बनाने के लिए कांग्रेस सांसद भाजपा–विहिप की पिच पर बैटिंग के लिए उतर गए हैं। इस मांग ने सियासी गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। आमतौर पर कांग्रेस को "सॉफ्ट हिंदुत्व" की राह पकड़ने के लिए अक्सर भाजपा और विहिप के निशाने पर रहना पड़ता है, लेकिन इस बार कांग्रेस के ही सांसद ने वह मुद्दा उठा दिया है जिसे भाजपा और विहिप लंबे समय से राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रखे हुए हैं।

श्गाय को गोमाता के रूप में जाना जाता है तथा यह राष्ट्रीय पहचान व गौरव का प्रतीक है। आज भारत में जो देशी नस्ल की गायें हैं, उनकी संख्या तेजी से घट रही है और तेज गति से विलुप्त होती जा रही हैं। देशी गाय की गरिमा, सम्मान, सुरक्षा व संरक्षण सुनिश्चित किए जाने की अति आवश्यक्ता है। इसके साथ ही गाय, बछड़ा बैल, के वध पर प्रतिबंध, वध के लिए गाय के परिवहन और निर्यात पर प्रतिबंध और गाय को किसी अन्य तरीके से बिक्री, खरीद निपटान पर प्रतिबंध, गाय के मांस को अपने कब्जे में रखने पर भी प्रतिबंध और शुद्ध देशी नस्ल की गायों को संरक्षण दिए जाने की आवश्यक्ता है। गायों को राष्ट्रमाता या राज्यमाता का दर्जा दिया जाना चाहिए।

सीनियर जर्नलिस्ट और राजनीतिक विश्लेषक पवन द्विवेदी का मानना है कि यह कदम सीधे–सीधे आगामी विधानसभा चुनावों से जुड़ा है। प्रयागराज समेत पूर्वांचल में हिंदू मतदाताओं की बड़ी संख्या को देखते हुए कांग्रेस सांसद का यह बयान भाजपा–विहिप की परंपरागत पिच पर जाकर "हिंदू भावनाओं को संबोधित करने" की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।कांग्रेस लंबे समय से उत्तर प्रदेश में राजनीतिक जमीन तलाश रही है। ऐसे में पार्टी के सांसद का यह रुख यह संकेत देता है कि वह भाजपा के मजबूत मुद्दों को भी अपने तरीके से साधने की कोशिश कर रही है।

'गाय' भाजपा और विहिप की राजनीति का एक प्रमुख भावनात्मक आधार रहा है। इनके जनाधार में इसका बड़ा असर माना जाता है। सांसद उज्जवल रमण का यह बयान इस वजह से भी चर्चा में है कि कांग्रेस अक्सर भाजपा पर धर्म आधारित राजनीति का आरोप

लगाती रही है। ऐसे में पार्टी के सांसद द्वारा वही मुद्दा उठाना राजनीतिक रूप से 'असमंजस' और 'नई रणनीति' दोनों के रूप में देखा जा रहा है।

अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या सांसद का बयान कांग्रेस की नई रणनीति का संकेत है या यह स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को साधने का प्रयास। प्रयागराज में जहां भाजपा मजबूत स्थिति में है, वहां हिंदू वोटों में सेंध लगाने के लिए कांग्रेस नेता का ऐसा रुख एक 'राजनीतिक प्रयोग' माना जा रहा है।

भाजपा और विहिप इस मुद्दे को वर्षों से राष्ट्रीय गौरव का प्रश्न बनाकर पेश करते रहे हैं। कांग्रेस सांसद द्वारा उसी सुर में बात करने को भाजपा नेता महज चुनावी स्टंट बता रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता आशीष गुप्ता कहते हैं, कांग्रेस व सपा लगातार चुनाव हार रहे हैं और इनकी राजनीति रसातल में है। यही कारण है कि अब उन्हें लगने लगा है कि अब हिंदुत्व के एजेंडे पर बात करके हिंदू वोटरों को साधा जाए। लेकिन जनता सब जानती है कि यह सिर्फ दिखावा है।

कांग्रेस प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय का कहना है कि भाजपा गाय का इस्तेमाल चुनाव के लिए करती है। गाय हमारे सम्मान, गरिमा का प्रतीक है और इसे राष्ट्रमाता का दर्जा पहले ही दिया जाना चाहिए था। इसमें जो अविलंब हुआ है, यह निराशाजनक है। हम लोग किसी भी मुद्दे को चुनाव की दृष्टि से नहीं देखते। गाय के संरक्षण को लेकर अगर भाजपा सरकारों ने वास्तव में कुछ किया होता तो आज जो जगह–जगह गोमाता की दुर्दशा देखने को मिलती है, वह नहीं होता। अब अगर कांग्रेस इस मुद्दे को उठा रही है तो भाजपा वालों को तकलीफ हो रही है।

प्रयागराज में सड़क हादसे में प्रतियोगी छात्र की मौत, रैपिडो बाइक से लौटते समय हुआ था हादसा, अंबेडकरनगर का रहने वाला था

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज कानपुर हाईवे पर हाईकोर्ट के एकलव्य चौराहे पर देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में

प्रतियोगी छात्र आरजू यादव (24) की मौत हो गई। मूलरूप से गोपरी चांदपुर, थाना जैदपुर, अंबेडकरनगर निवासी आरजू पिछले 6 साल से सलोरी में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। शाम करीब 6 बजे वह कमरे से बाहर निकला था। देर रात तक जब वापस नहीं लौटा तो दोस्तों की चिंता बढ़ने लगी। फोन मिलाने पर हादसे की सूचना मिली। बताया गया कि वह रैपिडो बाइक से रात करीब 10रू30 बजे लौट रहा था। इसी दौरान ट्रक और बाइक की टक्कर में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। शुक्रवार को परिजनों को शव सौंप दिया गया। आरजू के दोस्त ने बताया शाम को उसने कहा था कि दस बजे तक आ जाऊंगा। जब दोबारा बात हुई तो उसने रैपिडो ले लिया था। काफी देर होने पर हमने फोन किया तो पता चला कि उसका एक्सीडेंट हो गया है। आज उसका रेलवे का पेपर था। मकान मालिक प्रीति ने कहा आरजू दो साल से हमारे यहां रह रहा था। उसने फोन कर कहा था कि गेट बंद न कीजिएगा, लेट हो जाएगा। हादसे की खबर सुनकर पैरों तले जमीन खिसक गई। पुलिस के मुताबिक रैपिडो बाइक बेकाबू हो गई, जिसकी वजह से वह ट्रक की चपेट में आ गया। ट्रक चालक और बाइक चालक दोनों को हिरासत में ले लिया गया है। संबंधित वाहनों को सीज कर दिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रयागराज में 5 हजार छात्र गाएंगे वंदे मातरम्

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में वन्देमातरम गान के 150 वर्ष पूरे होने पर 16 दिसंबर को विजयोत्सव दिवस के अवसर पर एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने जा रहा है। सांस्कृतिक एवं नैतिक प्रशिक्षण संस्थान और हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान प्रयागराज द्वारा देशभक्ति भाव जगाने के लिए सामूहिक पूर्ण वंदेमातरम् गायन समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

खास बात यह है कि यह कार्यक्रम प्रयागराज में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर भारत स्काउट गाइड इंटर कॉलेज मम्फोर्डगंज में 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें 5,000 से अधिक विद्यार्थी सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' गायन करेंगे।

इस समारोह की जानकारी देते हुए गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ होंगी, साथ ही शहीद परिवारों का सम्मान भी किया जाएगा। छात्रों और नौजवानों में राष्ट्रभक्ति की भावना बढ़ाने और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम एक बड़ी प्रेरणादायी पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में शिक्षक,डॉक्टर, व्यापारी के साथ अन्य वर्गों की भी भूमिका रहेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा हिन्दू आध्यात्मिक सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गिरिराज चंद्र त्रिपाठी करेंगे। मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्व प्रसिद्ध पद्मश्री सोमा घोष की उपस्थित रहेंगी, जो अपने संगीत से वातावरण को देशभक्ति से भर देगी।

मंत्री दयाशंकर ने आयुर्वेद हॉस्पिटल का किया भूमिपूजन

प्रयागराज (संवाददाता)। आयुष खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। वे राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल एवं आंगनवाड़ी केंद्र के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने दोनों भवनों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम सैदाबाद के गढ़वा गांव में हुआ। कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री दया शंकर ने कहा कि सरकार क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने और मातृ–शिशु पोषण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आने वाले समय में इन परियोजनाओं से ग्रामीणों को बेहतर उपचार और सेवाएं मिल सकेंगी। शिलान्यास के अवसर पर काफी संख्या में ग्रामीण, अधिकारी व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल को 'संविधान का न्यायाधीश' बताते पोस्टर, प्रयागराज में कांग्रेस नेता ने वायरल किया

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयगाराज में राहुल गांधी को 'संविधान का न्यायाधीश' बताते हुए एक पोस्टर वायरल किया गया है।

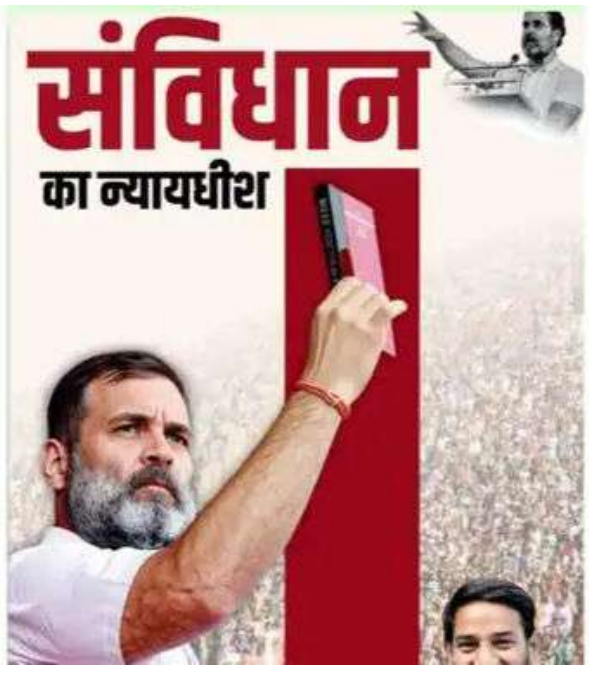

कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला ने राहुल गांधी की तस्वीर वाला यह पोस्टर जारी किया है। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'संविधान का न्यायाधीश' बताते हुए एक तस्वीर लगाई गई है। यह पोस्टर दिल्ली में आयोजित एक बड़ी रैली के संदर्भ में जारी किया गया है। पोस्टर में राहुल गांधी की एक फोटो है, जिसमें वह संविधान की किताब पकड़े हुए हैं। इस पर प्रमुखता से संविधान का न्यायाधीश (Samvidhan ka Nyayadhish) लिखा गया है। कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला द्वारा वायरल किया गया यह पोस्टर पार्टी के भीतर और सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। इसे भारतीय संविधान और न्याय के प्रति राहुल गांधी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करने का एक प्रयास माना जा रहा है।

पहाड़ों पर बर्फबारी से गलन बढ़ी

प्रयागराज (संवाददाता)। ठंड ने दस्तक दे दी है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर प्रयागराज में दिखने लगा है। आज प्रयागराज में आसमान साफ है और धूप भी निकली है, लेकिन गलन बढ़ी है। सुबह न्यूनतम तापमान लगभग 13–14°C दर्ज किया गया है। अधिकतम लगभग 24–25°C किया गया है। वायु गुणवत्ता में कुछ क्षेत्रों में प्रदूषण थोड़ा अधिक हो सकता है, इसलिए डॉक्टर भी सांस रोगियों को सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी प्रो. शैलेंद्र रॉय का कहना है कि प्रयागराज समेत उत्तर प्रदेश में ठंड का प्रभाव बढ़ा हुआ है। मौसम विभाग ने शीतलहरध्कोल्ड वेव के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, प्रयागराज में गलन तो बढ़ी है लेकिन अभी कोहरे के आसार यहां नहीं हैं। अगले 2दृ3 दिनों में न्यूनतम तापमान और अधिक गिर सकता है, साथ ही घना कोहरा भी संभावित है, जिससे सुबह के समय दृश्यता कम हो सकती है। वहीं, दूसरी ओर प्रशासन ने रैन बसेरे भी तैयार करने शुरू कर दिए हैं।

बढ़ती ठंड में बेघर लोगों को राहत देने की तैयारी

प्रयागराज (संवाददाता)। कड़ाके की ठंड को देखते हुए नगर निगम प्रयागराज ने बेघर और फुटपाथों पर रात गुजारने वाले लोगों के लिए रैन–बसेरों की व्यवस्था दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। नगर आयुक्त साई तेजा ने एमजी रोड स्थित पीडी टंडन पार्क के अस्थाई रैन–बसेरे का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने टेंट के किनारों से ठंडी हवा आने की संभावना पर नाराजगी जताई और उसे पूरी तरह कवर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अस्थाई रैन–बसेरों में फायर सेफ्टी सिस्टम, द्वार पर पर्दे, तथा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। साथ ही हर रैन–बसेरे पर नगर निगम का बोर्ड लगाए जाने और जरूरत के अनुसार अलाव की समुचित व्यवस्था करने को भी कहा। नगर आयुक्त ने रैन–बसेरों के आस–पास साफ–सफाई बनाए रखने, डस्टबिन लगाने और बिस्तर सामग्री तकिया, चादर, गद्दे, दरी व रजाई को नियमित रूप से साफ–सुथरा रखने पर विशेष जोर दिया।

उत्तर मध्य रेलवे

'सार्वजनिक अधिसूचना'

उत्तर मध्य रेलवे के जिगना स्टेशन के पूर्ण हो चुके खंड पर स्थित रेलवे लाइन और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि रेलवे लाइन के नीचे दिये हुए खंड में 132/2x25 केवी जिगना टीएसएस को 10.01.2026 को या उसके बाद चालू किया जाएगा। इस तिथि से या उसके बाद से जिगना टीएसएस ओवर लाइन को हर समय ऊर्जित माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त जिगना टीएसएस के पास नहीं जाएगा या उसके आसपास काम नहीं करेगा।

Section: उत्तर मध्य रेलवे के मौजूदा मार्ग पर कानपुर से पंडित दीन दयाल उपाध्याय खंड के बीच गति को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के संबंध में नए 132/2x25 केवी टीएसएस जिगना का ऊर्जीकरण।

KM / Location / Chainage From-To

जिगना 761/23 से जिगना 761/27 तक

ऊर्जाकरण की तिथिः- 10.01.2026

No. EL/Const/NCR/70
Dated 11.12.2025
Place - Prayagraj

(कुंवर सिंह)
उप मुख्य विद्युत अभि0/मुख्य0/पी0
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2389/25(D)

हैदरपुर वेटलैंड बनेगा नया पर्यटन हब : जिला प्रशासन ने "पानी की पाठशाला" के जरिए दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हैदरपुर वेटलैंड का पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होना न केवल जिले की पहचान बढ़ाएगा, बल्कि पर्यावरण संवर्धन में भी बड़ा योगदान देगा। जल एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यहां "पानी की पाठशाला"का किया गया कार्यक्रम आयोजित मंडलायुक्त सहारनपुर डॉ रूपेश कुमार ने सभी को शपथ दिलाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रतिबद्ध किया।

मुजफ्फरनगर। मीरापुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित हैदरपुर वेटलैंड को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक अहम पहल की है। जल एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के लिए यहां "पानी की पाठशाला" कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों व कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जल बचाओ और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के द्वारा की गई ।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि मंडलायुक्त सहारनपुर डॉ रूपेश कुमार ने पानी की पाठशाला कार्यक्रम का मां सरस्वती के चित्रपर दीप दीप प्रज्वलितकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पानी है तो जीवन है,इस अमूल पानी को हम सभी को बचाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पानी की बोतल लेकर चले तो पानी बचे उसको फेंकना नहीं चाहिए,उसे इस्तेमाल में ले लिया जाए, वह पानी खराब नहीं होता है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाकर पर्यावरण का संरक्षण करने जोर दिया। उन्होंने

किसान बंधुओ से कहा कि खेत में पराली ना जलाएं, खेत में जुताई कर छोड़ देना चाहिए, जिससे खाद के रूप में वह काम करेगी और फसल की पैदावारी में भी बढ़ोतरी होगी। मंडलायुक्त ने उपस्थित सभी लोगों को शपथ दिलाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रतिबद्ध किया।

मुजफ्फरनगर के मीरापुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित हैदरपुर वेटलैंड जल्द ही एक नए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने जा रहा है। इसी उद्देश्य को लेकर जिला प्रशासन द्वारा यहां "पानी की पाठशाला" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण जागरूकता के लिए आयोजित किया गया, बल्कि इसे वेटलैंड के महत्व, प्रवासी पक्षियों के संरक्षण और पर्यटकीय संभावनाओं को उजागर करने के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत मुजफ्फरनगर के विभिन्न स्कूलों से आए छात्र–छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा नाटक की प्रस्तुतियां से हुई, जिसमें बच्चों ने जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण बचाव का संदेश बेहद प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों का मकसद लोगों को यह समझाना था कि जल ही जीवन है और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए जल संसाधनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने स्वयं बच्चों और उपस्थित लोगों को "जल बचाओ, पर्यावरण बचाओ" की शपथ दिलाई। डीएम ने कहा कि हैदरपुर वेटलैंड प्रदेश का एक अनमोल प्राकृतिक खजाना है, जहां हर वर्ष हजारों प्रवासी पक्षी अपना प्रवास करते हैं। ऐसे में इस वेटलैंड का संरक्षण और इसे पर्यटन के रूप में विकसित करना जिले की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में सहारनपुर मंडलायुक्त रूपेश कुमार सहित कई पद्मश्री सम्मानित व्यक्तित्वकृउमाशंकर पांडे, सेतपाल सिंह और कमल सिंह चौहानकृभी विशेष रूप से मौजूद रहे। इनके साथ एसपी अभिषेक कुमार वर्मा सहित मुजफ्फरनगर का पूरा प्रशासनिक अमला इस कार्यक्रम में शामिल हुआ, जो इस पहल की गंभीरता और महत्व को दर्शाता है।

हैदरपुर वेटलैंड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रामसर साइट के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। प्रशासन का लक्ष्य है कि यहां पर्यावरण पर्यटन को बढ़ावा देकर लोगों को प्राकृतिक सौंदर्य, प्रवासी पक्षियों और वेटलैंड के पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में जागरूक किया जाए। साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराए जाएँ।

कुल मिलाकर, "पानी की पाठशाला" कार्यक्रम ने न केवल बच्चों को बल्कि स्थानीय लोगों और प्रशासन को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति एकजुट किया। आने वाले समय में हैदरपुर वेटलैंड का पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होना न केवल जिले की पहचान बढ़ाएगा, बल्कि पर्यावरण संवर्धन में भी बड़ा योगदान देगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार,वनाधिकारी श्री अभिनव राजा, उप जिलाधिकारी जानसठ, उप जिलाधिकारी बुढ़ाना न्यायिक, तहसीलदार जानसठ, प्रगतिशील किसान, विभिन्न स्कूल कॉलेज के प्रधानाचार्य, अध्यापक, अध्यापिकाएं, भारी मात्रा में छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

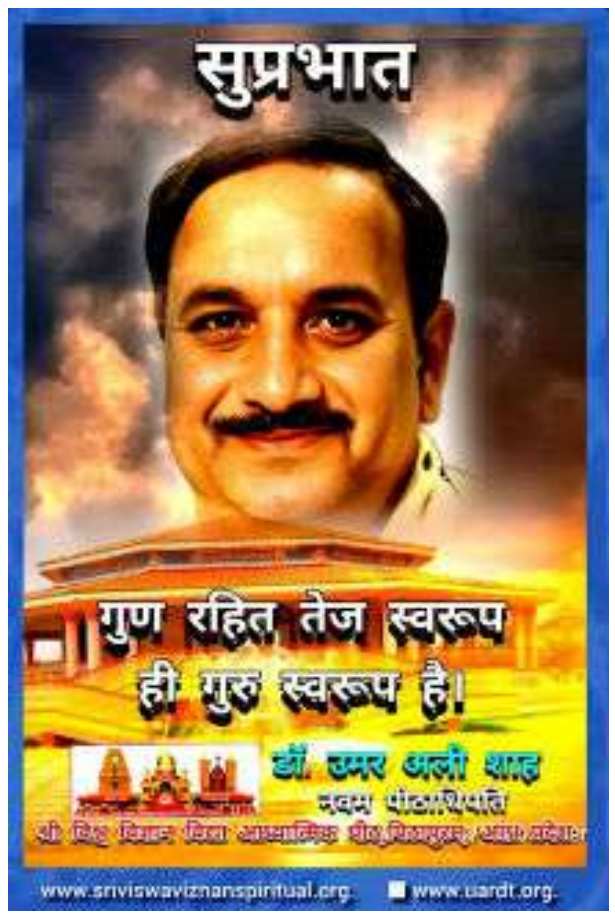

लाल सफेद गुलाब

देवों को भाता बहुत, लाल सफेद गुलाब।
अर्पित जिसने भी किया, मिलता उसे शबाब।
मिलता उसे शबाब, मगर अजमाकर माने।
निर्मल मन के साथ, फूल का गुण पहचाने।
सुन लो कहें प्रदीप, सुखद दिन है यह लाता।
रहता जिनको याद, पुष्प देवों को भाता।।

वास्तु शास्त्र कहता यही, ताजा फूल गुलाब।
रिश्तों को दे ताजगी, बन सच्चा अहबाब।
बन सच्चा अहबाब, करे यह उर्जित मन को।
सुख का बने प्रतीक, दूर करके अनबन को।
सुन लो कहें प्रदीप,पूर्व उत्तर में खिलता।
लाता है यह शान्ति, यही वास्तु शास्त्र कहता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

फायरिंग कर दहशत फैलाने के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

मोरनारू। बीते सप्ताह मोरना मे देर शाम महिला के साथ मारपीट करने व फायरिंग कर दहशत फैलाने मामले मे चार युवकों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी को अवैध असलाह के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मोरना स्थित टावर कॉलोनी निवासी अरूण कुमार ने बीते 3 दिसम्बर को मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था की उसकी बाइक घर के बाहर खडी थी। उसे हटाने को लेकर पड़ोस में रहने वाले गोलू, अंकुर व नरेश ने घर में घुसकर गाली गलौज करते हुए उसकी पत्नी निटिल के साथ मारपीट की। पड़ोसी प्रमोद के परिवार वालों ने नरेश व उसकी पत्नी को आरोपियों से बचाया था। शाम के समय गोलू, अंकुर व हर्षित ने फिर से पीड़ित के घर के सामने आकर गाली गलौज की तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी तथा पडोस में रहने वाले प्रमोद की पुत्री को गोली मारने की धमकी देते हुए हवाई फायरिंग की जिससे वहां दहशत फैल गयी थी। आरोपी मौके से फरार हो गये थे।पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी गोलू, अंकुर, नरेश व हर्षित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।शुक्रवार को पुलिस ने एक आरोपी अंकुर को अवैध असलाह के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

गांधी पॉलिटेक्निक मुजफ्फरनगर में पुरातन छात्रों का किया गया स्वागत सम्मान

मुजफ्फरनगर। गांधी पॉलिटेक्निक मुजफ्फरनगर के स्टेनोग्राफी ब्रांच के पुरातन छात्र–छात्राओं जगबीर सिंह यादव, रिपोर्टिंग ऑफिसर (पी० आर०), राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ, मधु चौधरी आदि के मुजफ्फरनगर आगमन पर उनके स्वागत सम्मान में एक समारोह गांधी पॉलीटेक्निक के ऑडियो–विजुएल हॉल में इं० राजीव सिंह, प्रधानाचार्य गांधी पॉलिटेक्निक मुजफ्फरनगर की अध्यक्षता व श्रीमती बबीता देवी, प्रवक्ता हिन्दी के संयोजन में पुरातन छात्र एसोसिएशन के द्वारा आयोजित किया गया जिसका संचालन पुरातन छात्र एसोसिएशन के सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पॉलीटेक्निक संस्थापक स्वामी कल्याणदेव महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व उन्हें श्रद्धा–सुमन अर्पित कर प्रधानाचार्य व अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पुरातन छात्रों ने अपने विभागीय अनुभव से पॉलीटेक्निक में अध्यनरत विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उनको सरकारी नौकरियों में सफल होने हेतू गुर साझा किये एवं उनको सफलता हेतू मार्गदर्शित किया। गांधी पॉलीटेक्निक मुजफ्फरनगर की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष उद्योगपति श्री कन्दर्प स्वरूप ने अपने सन्देश में सम्मान समारोह की सफलता की कामना करते हुए स्वामी कल्याणदेव जी द्वारा संस्थापित प्राचीन तकनीकी संस्थान गांधी पॉलिटेक्निक से शिक्षित पुरातन छात्रों के देश–विदेश में उच्चस्थ पदों पर आसीन होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को शुभकामनायें दी । अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रधानाचार्य इं० राजीव सिंह नें कहा कि प्रदेश में सुदूर सेवारत पुरातन छात्रों का पॉलीटेक्निक में आना व सहयोग के लिए हाथ बढ़ाना पूज्य वीतराग स्वामी कल्याणदेव को सच्ची श्रद्धांजलि है । पुरातन छात्र–छात्राओं को प्रधानाचार्य इं० राजीव सिंह ने स्मृति–चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम आयोजन में इं० चमन लाल, इं० बरिजेन्दर, इं० आर के वर्मा, नूपुर त्यागी, महिमा पाल, सुनील वर्मा, अमित गंगवार, अवधेश कुमार, नैना आदि का विशेष योगदान रहा । जबकि अन्जू, रिया शर्मा, खुशी, अंशिका, लक्की, आलोक, आकाश आदि को प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया गया।

ठंड के बढ़ते प्रकोप के बीच रैन बसेरों की व्यवस्था परखने सड़कों पर उतरीं मीनाक्षी स्वरूप

नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष ने देर रात किया शेल्टर हाउस का औचक निरीक्षण, अलाव व्यवस्था को भी परखा

मुजफ्फरनगर। कोहरे के बढ़ने के साथ ही कड़ाके की ठंड ने अब अपने अंदाज में दस्तक दे दी है और ऐसे में बेघर एवं असहाय लोगों के लिए रैन बसेरे और अलाव जीवनरक्षक साबित होते हैं। मुजफ्फरनगर नगरपालिका परिषद् ने इसी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए व्यवस्था बनाने का काम किया। इस व्यवस्था को परखने के लिए नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने अधिकारियों को साथ लेकर रात में निरीक्षण अभियान चलाया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी निराश्रित व्यक्ति सर्दी की मार के बीच खुले में सोने के लिए विवश न हो सके।

ठंड के बढ़ते प्रकोप को लेकर नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप सतर्क हो गई हैं। उन्होंने गुरुवार देर रात शहर के स्थाई और अस्थाई रैन बसेरों का औचक निरीक्षण करते हुए पालिका स्तर से की गई व्यवस्थाओं को परखने का काम किया। पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह सहित नगर पालिका के अन्य अधिकारियों के

साथ शहर की कई प्रमुख सड़कों और रेलवे स्टेशन पर स्थित पालिका के आश्रय स्थल का दौरा कर बेसहारा लोगों की स्थिति और उनके लिए की गई व्यवस्था का प्रत्यक्ष रूप से मूल्यांकन किया।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने रैन बसेरों में उपलब्ध सुविधाओं कृजैसे साफ–सफाई, अलाव की व्यवस्था, नये बिस्तर, कंबल और रजाईकृका विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने मौजूद अधिकारियों और रैन बसेरे का संचालन कर रही एनजीओ के लोगों को निर्देश दिए कि ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए किसी भी सुविधा में कमी न छोड़ी जाए और सभी मूलभूत व्यवस्थाओं को तत्काल सुदृढ़ किया जाए। पालिका अध्यक्ष ने शहर में कई स्थानों पर पहुंचकर सार्वजनिक अलाव स्थलों की भी वास्तविक स्थिति देखी। पालिकाध्यक्ष ने संबंधित विभागों को नियमित निगरानी बढ़ाने और हर रात निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जरूरतमंदों को बिना किसी बाधा के गर्माहट और सुरक्षा मिल सके।

नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्पष्ट नीति है कि कोई भी निराश्रित और बेसहारा व्यक्ति सर्दी में सड़कों या खुले में रात गुजारने को विवश न हो। इसी दिशा में नगरपालिका ने रैन बसेरों में ठहरने की समुचित व्यवस्था और शहर में जगहदृजगह अलाव की सुविधा सुनिश्चित की है। हमारी पूरी टीम अधिकारियों के साथ लगातार कार्यरत है, ताकि हर जरूरतमंद को सुरक्षित आश्रय और गर्माहट मिल सके। नगरपालिका द्वारा पहले से ही रैन बसेरों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। आवश्यकतानुसार पेंट, मरम्मत और अवसंरचना सुधार कार्य भी तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आश्रय लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित, स्वच्छ और गर्म वातावरण उपलब्ध हो। निरीक्षण के दौरान पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नगरपालिका का संकल्प है कि कोई भी व्यक्ति इस ठंड के मौसम में बिना सुविधा के न रहे। इस दौरान मुख्य रूप से ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय प्रताप शाही, अवर अभियंता निर्माण कपिल कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अवधी लेखन में विशिष्ट योगदान हेतु लखनऊ में नवाजे गए चार साहित्यकार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश साहित्य – सभा अवधी प्रकोष्ठ लखनऊ तथा अन्य पांच संस्थाओ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अवधी – समारोह में राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह कैसरबाग में संपन्न बहुआयामी कार्यक्रम में प्रतापगढ़ के डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्नश, प्रेमकुमार त्रिपाठी प्रेम, कुंजबिहारी लाल मौर्य काकाश्री व

अमर नाथ गुप्ता श्बेजोड़श को गुणवत्तापूर्ण, विकासपरक एवं प्रभावशाली अवधी लेखन हेतु नेपाल भारत अवधी परिषद के सचिव डॉ. प्रदीप सारंग, अवध ज्योति पत्रिका के संपादक डॉ. राम बहादुर मिश्र व पद्मश्री डॉ. विद्याविन्दु सिंह ने अंग –वस्त्र, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। साहित्यकारों के प्रतापगढ़ लौटने पर इस बड़ी उपलब्धि के लिए शारदा संगीत महाविद्यालय प्रतापगढ़ में ट्रस्टी आनन्द मोहन ओझा, कवि अमित शुक्ला तथा श्रीनाथ मौर्य सरस ने माला पहनाकर बधाई दी। श्री ओझा ने कहा कि साहित्यकारों ने इस शानदार उपलब्धि से बेल्हा का गौरव बढ़ाया है। ध्यातव्य है कि डॉ. रत्न ने तमिल महाकाव्य शिलप्पदिकारम का अवधी अनुवाद करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की है। इसी प्रकार सभी चारों ने अवधी भाषा में कविता, कहानी, नाटक आदिक विविध साहित्य लिखा है। इनके साहित्य पर विश्वविद्यालयों के अवधी प्रकोष्ठों में अध्ययन भी हो रहा है। समारोह में नेपाल, मारीशस, फिजी समेत देश विदेश के अवधी विद्वान उपस्थित थे। बधाई देने वालों में रोशनलाल ऊमरवैश्य, राजीव कुमार आर्य, लखन प्रतापगढ़ी, राकेश कनौजिया तथा अन्य प्रबुद्धजन रहे।

प्रयागराज की जमीनी राजनीति के सूत्रधार, युवाओं के प्रेरणास्रोत

भाजपा के नेता पूर्व विधायक पंडित उदयभान करवरिया

शहर समता प्रयागराज। वर्तमान समय में तो भारतीय जनता पार्टी प्रदेश से लेकर केंद्र तक अपने पूरे सशक्त रूप में है पर एक समय ऐसा था जब प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर आए दिन अत्याचार होता था जिसमें पार्टी से जुड़े सर्व समाज के लोग अपनी अस्मत को बचाने के लिये न सिर्फ प्रयागराज बल्कि प्रदेश के 10–15 जनपद से फरियाद लेकर आते थे अधिकार से जिन नेता के पास वे आते थे वो सिर्फ उदयभान करवरिया जी ही थे वे उन लोगों के लिए प्रमुखता से साथ देते थे और हमेशा उनके साथ खड़े रहते थे जो पीड़ित और प्रताड़ित है द्य इलाहाबाद हाइकोर्ट के अधिवक्ता आदित्य मालवीय की माने तो उदय भान करवरिया जी दशकों से जमीनी राजनीति के कर्णधार रहे हैं द्य आज के समय में प्रदेश के अंदर उनके जैसा शायद ही ऐसा कोई जनसेवक हो जो राजनीतिक, अर्थिक व मानसिक रूप से पास आय फरियादी या कार्यकर्ता की हर संभव मदद के लिए प्रयासरत हो द्य वो आज भी भारतीय जनता पार्टी की नीतियों एवं विचारों को आगे बढ़ाने मे

लगे हुए हैंद्य उनकी कार्यशैली देखकर कभी यह नहीं प्रतीत होता की उन्हें किसी पद की लालसा है बस संकल्प शायद एक लिया है कि मूल कार्यकर्ता और फरियादी दरवाजे से मायूस न लौटे तो बेहतर है द्य वर्तमान समय में प्रदेश में वे शायद एक ही ऐसे नेता हैं जो मौन रूप से अपने मूल कार्य कर्ता, फरियादी के लिए कार्य कर रहे हैं द्य अधिवक्ता मालवीय बताते हैं प्रदेश संगठन को मजबूत करने में जो भूमिका उदयभान जी निभा सकते हैं शायद किसी अन्य में वह निस्वार्थ सेवा भाव नहीं है क्योंकि उन्होंने आदरणीय मुरली मनोहर जोशी जी जैसे वरिष्ठ लोगों के साथ अपनी सेवा दी है द्य उन्होंने डॉक्टर जोशी जी के सिद्धांतों को अपनाया है द्य नए समय की भाजपा में भी उनकी लोकप्रियता पूर्व की तरह बनी हुई है द्य मूलभूत भाजपा का कार्यकर्ता आज भी अपने सुख–दुख में श्री उदयभान जी की चौखट पर अपनी दस्तक देता है द्य अधिवक्ता मालवीय बताते हैं जैसे एक मां अपने शिशु को उसके विपरित परिस्थितियों में या संकट काल में वात्सल्य से हृदय से लगा लेती है उसी तरह अपने पास आय मूल कार्यकर्ता और प्रदेश की जनता को देख कर आदरणीय उदयभान जी प्रसन्नचित मुद्रा में उसका कुशल क्षेम पूछ कर गले से लगा लेते हैं और उसकी समस्या का निस्तारण करके ही शांत होते हैं द्य क्या पक्ष, क्या विपक्ष सभी दल के नेता उनसे स्नेह करते हैं द्य कार्यकर्ताओं के मन में उनका एक संदेश हमेशा जाता है कि पार्टी, संगठन हमेशा से सर्वोपरी है द्य वे समय समय पर अपने कार्यकर्ताओं की बात उठाते हुए उसके मनोभाव को समझते हुए पूरी संलग्नता से उसपर कार्य करते हैं द्य सैकड़ों की भीड़ में भी वे एक एक कार्यकर्ता को उसके नाम से संबोधित करते हैं द्य कहीं ना कहीं उनके भीतर साधुवाद है। जनता के नायक अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर भाजपा के फायर ब्रांड नेता पूर्व विधायक पंडित उदयभान करवरिया।

आईजीआरएस में प्रयागराज को प्रदेश में 32वीं रैंक, पूरी टीम को एडीएम(नगर) ने सम्मानित किया

प्रयागराज। IGRS (इंटीग्रेटेड ग्रिवेंस रेड्रेसल सिस्टम) में जनपद प्रयागराज ने प्रदेश स्तर पर 32वीं रैंक प्राप्त की है, जो जिले के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस उपलब्धि पर अपर जिलाधिकारी (नगर)/नोडल अधिकारी सत्यम मिश्रा, ष्ठैद्वारा संपूर्ण IGRS टीम को प्रशस्ति प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में अपर जिलाधिकारी (नगर) ने कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम के समर्पण, पारदर्शिता और उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का परिणाम है। उन्होंने बताया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा समयबद्ध, जिम्मेदार एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन ने जनपद को यह सम्मानजनक स्थान दिलाया है। उन्होंने पूरी टीम को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी निष्ठा, उत्साह और दक्षता के साथ कार्य करते हुए प्रयागराज को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया जाएगा।

सम्मानित IGRS टीम के सदस्य – अफसार अहमद – ई. डी.एम., प्रयागराज,बृजेश कुमार श्रीवास्तव – वरिष्ठ लिपिक, आईजीआरएस सेल,ऋचा श्रीवास्तव – वरिष्ठ लिपिक, आईजीआरएस सेल,सुधा – वरिष्ठ लिपिक, आईजीआरएस सेल ,अनूप कुमार पटेल – लेखपाल, आईजीआरएस सेल,अभिषेक सिंह – लेखपाल, आईजीआरएस सेल,सुनील कुमार – लेखपाल, आईजीआरएस सेल,अभिषेक यादव – लेखपाल, आईजीआरएस सेल, आशुतोष मौर्य – लेखपाल, आईजीआरएस सेल ,ममता श्रीवास्तवा – ऑपरेटर, आईजीआरएस सेल,यग्शा कौसर – ऑपरेटर, आईजीआरएस सेल,सय्यदा बेगम –ऑपरेटर, आईजीआरएस सेल,शाकिर सिद्दीकी – ऑपरेटर, आईजीआरएस सेल,मनीष कुमार पाल – ऑपरेटर, आईजीआरएस सेलस।

सम्पादकीय.....

दुनिया की दिवाली

इसमें दो राय नहीं कि हमारी अमूर्त विरासतें प्राचीन और आधुनिक सभ्यता के बीच पुल का काम करती हैं। यह महज एक स्मृति नहीं, वरन एक निरंतर बहती जीवंत विस्तारित नदी की भांति है। इसी आलोक में दिवाली को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया जाना हर भारतीय के लिये गर्व व सुकून का विषय है। निस्संदेह, दिवाली हमारी सनातन संस्कृति व सभ्यता की आत्मा रही है। प्रकृति के अहसासों के अनुरूप अंधेरे के खिलाफ उजाले की जंग की प्रतीक। समाज में समता का संदेश की गरीब के घर भी भरपूर रोशनी पहुंचे। किसी भी समाज में कुम्हार, मूर्तिकार,खील बताशे वाले से लेकर व्यापारी के घर तक लक्ष्मी पहुंचे। उल्लेखनीय है कि दिवाली को यह स्थान मिलने से पहले कुंभ मेले समेत देश की 15 धरोहरें इस सूची में शामिल हैं। बता दें कि इस वर्ष 19 अक्तूबर को दीपोत्सव पर अयोध्या में सरयू की राम पैड़ी पर जब 26.17 लाख दीये जलाये गए थे तो इस उपलब्धि का प्रकाश पूरी दुनिया में फैला था। गिनीज बुक आफ विश्व रिकॉर्ड में आयोजन दर्ज हुआ था। इस के बाद ही संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को ने अमूर्त विश्व धरोहर सूची में दिवाली को शामिल किया है। इससे पहले कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला,छाऊ नृत्य, दुर्गा पूजा आदि इस सूची में शामिल है। उल्लेखनीय है कि भारत यूनेस्को की इंटर–गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की बीसवीं बैठक की दिल्ली में मेजबानी कर रहा है, जो 13 दिसंबर को समाप्त होगी। दिवाली को संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा मानकर देश के विभिन्न भागों में दस दिसंबर को दीपावली समारोह आयोजित करने का भी फैसला लिया गया था। मकसद यही था कि ताकि विश्व के सामने इस पर्व को मजबूत सांस्कृतिक पहचान के रूप में पेश किया जा सके। निस्संदेह, दिवाली न केवल संस्कृति–प्रकृति से जुड़ी है बल्कि ज्ञान व सनातन धर्म की भी पर्याय है। निस्संदेह, इस घोषणा से इस पर्व को वैश्विक मान्यता मिल सकेगी। दरअसल, यूनेस्को ऐसी सांस्कृतिक व पारंपरिक चीजों को इस सूची में शामिल करता है जो मूर्त रूप में तो नहीं होती, मगर किसी समाज में उसकी व्यापक मान्यता होती है। वास्तव में, यूनेस्को के ऐसे प्रयासों का मकसद यही रहा है कि आने वाले समय में दुनिया की महत्वपूर्ण सांस्कृति धरोहरें सुरक्षित रहें। जिससे भविष्य की पीढ़ियों को इसका लाभ मिल सके। दरअसल, इस घोषणा के बाद भारत दीपावली के निहितार्थ अंधकार से प्रकाश की ओर जाने के संदेश को पूरी दुनिया को दे सकेगा। इस बार की सूची में दुनिया की जीवित परंपराओं, सामाजिक प्रथाओं, त्योहारों, लोककला व परंपारिक ज्ञान प्रणालियों को सुरक्षित रखने वाली दुनिया की बीस अमूर्त विरासतों को इस सूची में जगह दी गई। कई पीढ़ियों से सहेजी गई विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास है यूनेस्को की पहल। निस्संदेह, ये धरोहरें विश्व के विभिन्न समुदायों की पहचान का हिस्सा हैं। सही मायनों में वैश्वीकरण के दौर में सांस्कृतिक विविधत को अक्षुण्ण बनाये रखने में मददगार साबित होंगी। निश्चय ही भारतीय संस्कृति की अमिट धरोहर वाले पर्व दीपावली का विश्व धरोहर की सूची में शामिल होना भारतीयों के लिये गर्व की बात है। जिसकी बानगी दिल्ली व देश के अन्य भागों में दूसरी दिवाली मनाने के रूप में नजर आई। निश्चय ही इस फैसले से भारतीय सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई मान्यता मिलेगी। दुनिया इस पर्व की भावनात्मकता के इतर इसकी आध्यात्मिकता व सामाजिक समरसता के संदेश से रूबरू हो सकेगी। निस्संदेह, यह पर्व भारतीय संस्कृति और लोकाचार से गहरे तक जुड़ा है। अब हमारी भी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि दीपावली हमेशा समृद्ध विरासत बनी रहे। दुनिया में उजाले की अंधेरे पर जीत का संदेश निरंतर जाता रहे। जो शाश्वत मानवीय मूल्यों की रक्षा का संदेश भी है। विश्वास किया जाना चाहिए कि भारत की इस अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के गहरे संदेश का पूरी दुनिया अंगीकार कर सकेगी।

यह हमें ही तय करना होगा कि हम कब और क्या खाते हैं

डॉ. राजीव कुमार

देशभर में कई जमीनी स्तर के मॉडल उभर रहे हैं, जो भारी–भरकम सर्टिफिकेशन व्यवस्था से हटकर भरोसे पर आधारित काम कर रहे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सहज आहार नेटवर्क 9,000 किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ता है।

भारत में प्राकृतिक खेती की दिशा में अब तक जो भी प्रगति हुई है, वह ज्यादातर सप्लाई साइड पर केंद्रित रही है। यानी नीतियां बनी हैं, पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं, किसानों को प्रशिक्षण भी मिल रहा है। लेकिन अभियान की असली ताकत अभी अधूरी है, क्योंकि उपभोक्ताओं की मांग अब भी कमजोर है। जब तक बाजार में प्राकृतिक उत्पादों की स्पष्ट मांग नहीं बनेगी, यह आंदोलन गति नहीं पकड़ पाएगा। देशभर में कई जमीनी स्तर के मॉडल उभर रहे हैं, जो भारी–भरकम सर्टिफिकेशन व्यवस्था से हटकर भरोसे पर आधारित काम कर रहे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सहज आहार नेटवर्क 9,000 किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ता है। छत्तीसगढ़ में भूमगाड़ी ऑर्गेनिक ने आदिवासी किसानों के लिए बाजार का रास्ता खोला है। कर्नाटक में ऑर्गेनिक मांड्या नाम की किसान–संचालित शृंखला ने 25 करोड़ के खुदरा कारोबार के साथ साबित किया है कि किसान भी व्यावसायिक रूप से सफल हो सकते हैं। इन समुदाय–आधारित पहलों का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब हम देखते हैं कि सरकारी प्रमाणन प्रणाली अक्सर बिचौलियों के हाथ में चली जाती है और भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाती है। ऐसे में भरोसा पारदर्शिता और प्रत्यक्ष जुड़ाव से ही बन सकता है। मसलन, सेफ हार्वेस्ट नामक पहल बिना किसी औपचारिक प्रमाणन के भी लेबोरेटरी में जांचे, कीटनाशक मुक्त उत्पादों को उचित दामों पर बेचती है और क्यूआर कोड के जरिए उपभोक्ता को पूरी जानकारी देती है। यह दिखाता है कि जमीनी स्तर से बना भरोसा ऊपर से थोपे सिस्टम से कहीं बेहतर है। दुनिया भर में कंज्यूमर सपोर्टेड एग्रीकल्चर मॉडल ने दिखाया है कि अगर उपभोक्ता और उत्पादक के बीच संबंध और विश्वास हो, तो कड़े नियम की जरूरत नहीं पड़ती। भारत में भी हफ्तावार किसान बाजार और सामुदायिक सदस्यता मॉडल इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। ऐसे भरोसे पर आधारित तंत्र को फैलाना चाहिए, ना कि नौकरशाही से रेगुलेट करना चाहिए। भारत का उपभोक्ता भी बदलाव के लिए तैयार है। स्वास्थ्य और पर्यावरण को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। ऑर्गेनिक भोजन की खपत हर साल लगभग 25ः बढ़ रही है, हालांकि इसका आधार अभी भी छोटा है। नीलसन की 2021 की रिपोर्ट कहती है कि 72ः भारतीय उपभोक्ता रसायन–मुक्त भोजन के लिए अधिक दाम देने को तैयार हैं, लेकिन ये संवेदनशीलता कीमत के अनुपात में घटती है। लगभग 38ः लोग 20ः तक ज्यादा देने को तैयार हैं, लेकिन 2–3 गुना कीमत कोई नहीं देगा। इससे यह तो साफ है कि मध्यम स्तर की कीमतों पर उपभोक्ता तैयार हैं, बशर्ते उन्हें भरोसा हो कि जो वे खरीद रहे हैं वह असली है। हर नया उत्पाद पहले कुछ 'शुरुआती अपनाने वालों' (अर्ली एडॉप्टर्स) से शुरू होता है– वे लोग जो सेहत के प्रति सजग होते हैं और सामाजिक–पर्यावरणीय मूल्यों से जुड़े रहते हैं। जब ये लोग उत्पाद अपनाते हैं, तो बाजार में संकेत जाता है, निवेश आता है और धीरे–धीरे उत्पाद आम लोगों तक भी सुलभ हो जाता है। प्राकृतिक खेती भी यही रास्ता अपना सकती है। उपभोक्ता की रुचि ऐसे उत्पादों में है, जो पारदर्शी, स्थानीय और विश्वसनीय हों– जिनकी कहानी समझ में आए और जिन पर भरोसा किया जा सके। निजी क्षेत्र में भी कई संस्थाएं इस दिशा में आगे आ रही हैं। फार्माइजन 8,000 किसानों को 35,000 ग्राहकों से जोड़ता है और खेत स्तर पर डेटा साझा करता है। 24 मंत्रा ऑर्गेनिक ने 27,000 किसानों का ट्रेसेबल नेटवर्क बनाया है। बिग बास्केट और वी कूल जैसे प्लेटफॉर्म प्राकृतिक उत्पादों की शृंखला बेच रहे हैं। हमें नैतिक कृषि उद्यमियों को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इंदौर में जैविक सेतु इसका उदाहरण है– यह किसानों व उपभोक्ताओं को हफ्तावार हाट के माध्यम से जोड़ता है, रसायन–मुक्त खेती को बढ़ावा देता है और एक कैफे भी चलाता है। जहां प्राकृतिक खाना परोसा जाता है। अब तक भारत की प्राकृतिक खेती की रणनीति किसानों पर केंद्रित रही है। लेकिन असली बदलाव उपभोक्ता से शुरू होता है। अगर बाजार पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदार खेती को पुरस्कृत करेगा, तो किसान भी पूरी ईमानदारी से उसका जवाब देंगे। जैसे मिलेट अभियान ने एक साधारण अनाज को सुपरफूड में बदल दिया, वैसे ही प्राकृतिक खेती को भी जमीन, स्वास्थ्य और आजीविका से जोड़कर पेश किया जा सकता है। यह कहानी सोशल मीडिया, स्कूल कैंपेन से या फार्म विजिट्स से कही जा सकती है।

चुनाव सुधार पर अहम चर्चा

प्रेम शुक्ल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी के कृत्य को अंजाम देकर सबसे बड़ा देशविरोधी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ द आइडिया ऑफ इंडिया यानी भारत की अवधारणा को नष्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी पहले भी वोट चोरी के इल्जाम लगाते हुए कई सबूत भी पेश कर चुके हैं, जिनमें महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। नेता प्रतिपक्ष के इन आरोपों पर भाजपा ने हमेशा चुनाव आयोग का बचाव किया है और खुद चुनाव आयोग ने भी इन आरोपों का तार्किक जवाब देने की जगह इन पर फेक का ठप्पा लगाकर खारिज कर दिया है। लेकिन लोकतंत्र इतने उथलेपन के साथ नहीं चल सकता कि विपक्ष के आरोपों को गलत कहकर अपनी जिम्मेदारी से बरी हुआ जाए। सरकार और चुनाव आयोग दोनों को इस बात का जवाब देना होगा कि आखिर मतदाता सूची में तथाकथित शुद्धिकरण की जरूरत अभी क्यों पड़ी है।बिहार के बाद चुनाव आयोग ने देश के 12 और राज्यों में मतदाता सूची का एसआईआर करवाया है, आज यानी 11 तारीख को एसआईआर के लिए फॉर्म भरने की आखिरी तारीख है। पहले यह मियाद 4 दिसंबर तक थी, लेकिन जब चुनाव आयोग को खुद यह समझ आया कि इतनी जल्दी करोड़ों मतदाताओं की सूची फिर से तैयार नहीं हो सकती तो तारीख आगे बढ़ाई गई। हालांकि विपक्ष पहले ही इस जल्दबाजी पर सवाल उठा रहा था। एसआईआर का मामला अदालत में भी है, लेकिन चुनाव आयोग ने न बिहार चुनाव के वक्तविपक्ष की आपत्तियों और लोगों की तकलीफों पर ध्यान दिया न अब दे रहा है। इस बीच एसआईआर के काम में लगे कई बीएलओज की अकाल मौत या गंभीर रूप से बीमार होने की खबरें आ चुकी हैं। मगर चुनाव आयोग ने यह माना ही नहीं कि बीएलओज पर काम का या कुछ खास समुदायों के वोट काटने का दबाव है। एसआईआर से जुड़े ऐसे कई सवालों पर विपक्ष सदन में भी चर्चा चाहता था ताकि देश को इस बारे में सरकार का आधिकारिक नजरिया पता चले। पिछले मानसून सत्र में विपक्ष की इस मांग को सरकार ने टाल दिया था, लेकिन शीतकालीन सत्र में सरकार अपनी जिद पर टिक नहीं पाई। एसआईआर तो नहीं लेकिन चुनाव सुधार के नाम पर चर्चा के लिए सरकार राजी हुई। अब इसमें विपक्ष ने जो मुद्दे उठाए हैं, उनके बेतुके जवाब भाजपा दे रही है।गौरतलब है कि राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान न केवल एसआईआर की बात की, बल्कि भाजपा और संघ के लोकतंत्र से खिलवाड़ पर हमला भी किया। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद इनके श्प्रोजेक्टश का अगला हिस्सा भारत के संस्थागत ढांचे पर कब्जा करने का था। राहुल ने दावा किया, श्आरएसएस ने एक–एक करके संस्थाओं पर कब्जा शुरू कर दिया। सब लोग जानते हैं कि विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति कैसे होती है। निर्वाचन आयोग, विश्वविद्यालयों, खुफिया एजेंसियों, जांच एजेंसियों और आयकर विभाग जैसी संस्थाओं पर कब्जा किया जा रहा है।राहुल गांधी ने कहा कि देश 1.5 अरब लोगों का ताना–बाना है जो वोट के माध्यम से बुना हुआ है। अगर वोट का ही मतलब नहीं रह जाएगा तो लोकसभा, विधानसभा या पंचायत, किसी का कोई अस्तित्व नहीं रह जाएगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की चयन प्रक्रिया से अब मुख्य न्यायाधीश को बाहर कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयु (नियुक्ति, सेवा–शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023श के तहत तीन सदस्यीय चयन समिति में अब प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं। इस पर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस सरकार ने दिसंबर 2023 में कानून बदल दिया ताकि अपनी मर्जी से नियुक्ति हो। किसी चुनाव आयुक्त को उसके फैसलों के लिए दंडित नहीं किया जा सके। राहुल ने पूछा कि आखिर प्रधानमंत्री और

गृह मंत्री को इसकी जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने दावा किया कि इतिहास में किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया।राहुल की तरह कुछ और विपक्षी सांसदों ने भी यही सवाल सदन में किया। जिसके जवाब में अब रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि हम सभी न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। लेकिन न्यायपालिका को हर चीज में शामिल करना क्या सही है? क्या ये च्सेपरेशन ऑफ पावरश के खिलाफ तो नहीं है? और क्या हम अपनी कमजोरी को तो नहीं दिखा रहे हैं? हम अपने से कुछ नहीं कर पाएंगे, जब तक सीजेआई नहीं आएंगे। ये लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।श उन्होंने बेतुकी बात कही कि भारत के प्रधानमंत्री के पास न्यूक्लियर बटन होता है कि नहीं? श्देश की जनता प्रधानमंत्री, देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और रणनीतियों में विश्वास करती है। भारत की चुनी हुई सरकार इतना कर सकती है लेकिन एक अच्छा चीफ इलेक्शन कमिश्नर नहीं चुन सकती। ये कौन–सी बात कही जा रही है?श इस जवाब से जाहिर हो रहा है कि भाजपा एक बार फिर मूल सवाल को भटका रही है। विपक्ष ने सीधा सवाल किया है कि जब पहले मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने में प्रधानमंत्री, विपक्ष का नेता और मुख्य न्यायाधीश शामिल रहते थे, तो अब प्रधानमंत्री के साथ एक केबिनेट मंत्री को शामिल क्यों किया गया है। इसका तो सीधा मतलब यही है कि विपक्ष के नेता की राय का मतलब ही नहीं रहेगा, क्योंकि तीन लोगों की कमेटी में दो लोग एक पक्ष के रहेंगे। यहां जनता सरकार पर कितना भरोसा करती है या नहीं करती है, यह सवाल आता ही नहीं है। लेकिन भाजपा जानबूझ कर बात को घुमा रही है। वैसे राहुल ने कहा है कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इस कानून में श्पूर्वव्यापी प्रभावश से संशोधन किया जाएगा तथा चुनाव आयुक्तों को कठघरे में लिया जाएगा।

डॉ0 भगवान प्रसाद उपाध्याय की दो बाल कविताएं

पक्षी भी शिक्षा देते हैं
डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय

तितली से हम सीखें उड़ना
भंवरों से नित मंडराना

कोयल से हम सीखें गाना
तोते से रटकर पढ़ना

कौए से चतुराई सीखें
बगुले से ध्यान लगाना

बाज सरीखे ऊंचे उड़कर
आसमान को छू लेना

पक्षी भी शिक्षा देते हैं
आपस में मिलकर रहना

बच्चों को स्कूल भेजिए
डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय

बच्चों को स्कूल भेजिए
कुछ तो पढ़ना सीखेंगे

विना पढ़े तो वह केवल
सब से लड़ना सीखेंगे

शिक्षा से ही बात बनेगी
आगे बढ़ना सीखेंगे

विना पढ़े सम्मान नहीं है
दिन फिर कैसे बीतेंगे

पढ़कर ही वे आगे बढ़कर
हर संकट में जीतेंगे

निवास – 'पत्रकार भवन'
गंधियांव करछना
प्रयागराज
(उ प्र) पिनकोड २१२३०१
मोबाइल ९६३५२०५३४१
८२९६२८०३८१

प्रवीण स्मृति नाट्योत्सव 2025, प्रयागराज

प्रवीण सांस्कृतिक मंच द्वारा आयोजित प्रवीण स्मृति नाट्योत्सव 2025 के अंतर्गत आज नाटक 'नागरदोला' का प्रभावशाली मंचन किया गया। कथासार से लेकर अभिनय तक, प्रस्तुति ने प्रेम की अमर शक्ति और समाज की विसंगतियों को बिल्कुल नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। नाटक का निर्देशन बिजेन्द्र कुमार टॉक द्वारा किया गया।

नाटक 'नागरदोला' प्रेम के उस अटूट सत्य को सामने लाता है, जिसे न तो समय मिटा पाता है, न ही समाज की कठोर व्यवस्था। मंच पर गूंजते आरंभिक संवाद

"प्रेम न बाड़ी उपजे,
प्रेम न हाट बिकाय..."

दर्शकों को सीधे उस भावलोक में ले जाते हैं जहाँ प्रेम किसी अधिकार, किसी कानून, किसी भय का मोहताज नहीं।

कहानी दुर्गापुर के दंगल से शुरू होती है, जहाँ चूहड़ की जीत की जयकार गूंज रही है। लेकिन यह चूहड़ केवल एक पहलवान नहींकृएक प्रतीक है। प्रतीक उस प्रेम का, जो कभी मरता नहीं।

नाटक यह सवाल उठाता है कि क्या समय, हिंसा, जाति और समाज की कठोरता किसी प्रेम कथा को खत्म कर सकती है?

उत्तर हैकृनहीं।

जिस तरह रेशमा और चूहर की कथा युगों से जीवित है, उसी तरह आज भी यह कहानी समाज के दिलों में धड़कती है। नाटक में दिखाया गया दूसरा चूहड़ उसी प्रेम का पुनर्जन्म हैकृसंघर्षों के बीच भी अडिग, अजेय और अमर।

'नागरदोला' केवल प्रेम की कथा नहीं, बल्कि समाज की उस घिसी–पिटी मानसिकता पर चोट है जो प्रेम को नियंत्रित करना चाहती है। प्रस्तुति ने कलात्मक रूप से दिखाया कि प्रेम न तो मिट्टी में दबता है, न आग में जलता है, और न ही किसी हथियार से मारा जा सकता है। रेशमा की भूमिका में अपराजिता ने अपने सशक्त भाव–अभिनय से दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरीं, वहीं चूहड़मल के पात्र में जफर आलम ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति और दमदार अभिनय से मंच पर गहरी छाप छोड़ी। दर्शकों ने नाटक के संवादों, पात्रों और प्रस्तुति को जोरदार सराहना दी। नाटक अपने साथ एक गहरी मानवीय संवेदना और प्रेम की अनश्वरता का संदेश छोड़ गया।

स्थान : उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज

समय : शाम 6:00 बजे

मंच पर

सूत्रधार/अघोड़ी सिपाही रू रोहित चंद्रा

सूत्रधार/अघोड़ी सिपाही रू अभिषेक आनंद

चूहड़मल : मोव जफ्फर आलम

मरकहे पंडित : स्मर्श मिश्रा

कुट्टा बहाली : राहुल रंजन

बसंता : आदित्य कुमार

गूंगा : सोनू राज

ग्राहक : प्रिंस राज

रेशमा : अपराजिता कुमारी

बड़ी मां : शाईस्ता खघन

लुती : श्रीपर्णा चक्रबर्ती

लाहो : प्रतिमा भारती

मंच परे

मंच निर्माण :सुनील कुमार
प्रकाश : विनय कुमार
सहयोग : लालबाबू कुमार
रूप सज्जा : जितेंद्र कुमार जीतू
ध्वनि इफेक्ट : राजीव रॉय
संगीत संयोजन : रोहित चंद्रा
सारंगी : अनीश मिश्रा
संगीत : संजय उपाध्याय
अभिकल्पक : अभिषेक राज
ड्रामेबाज
आलेख : रवींद्र भारती
निर्देशन : बिज्येंद्र कुमार टांक

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

हरियाली की छाँव है, और सुनहरी भोर।
स्वच्छ हवा बहती जहाँ, चलो गाँव की ओर।।
चलो गाँव की ओर, वहीं मानवता दिखती।
सुंदर सा परिवेश, जिसे हर कविता लिखती।।
कहती रचना आज, मिले हर घर खुशहाली।
रिश्तो में हो प्यार, दिखे चहुँ दिश हरियाली।।

चलना है अब गाँव को, दूषित हुआ शहर।
नहीं शुद्ध अब हवा मिले, हल्ला आठो पहर।।
हल्ला आठो पहर, चैन तो सारा खोता।
जीवन भागमभाग, दिखे हर मानव रोता।।
कहती रचना आज, दिखे अब दिन का ढलना।
शहर छोड़ अब गाँव, हमें तो बसने चलना।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

दिलीप कुमार की 103वीं जयंती पर सायरा बानो का भावुक पोस्ट, कहा-हर साल जब यह दिन आता है, तो मेरे दिल में..

बॉलीवुड के लीजेंड्री एक्टर दिलीप कुमार का 7 जुलाई, 2021 को निधन हो गय था। उनके जाने से सिनेमा जगत को तो बड़ी क्षति हुई ही, वहीं उनके चाहने वालों ने भी अनमोल रत्न खो दिया। अगर आज एक्टर जिंदा होते तो अपना 103वां बर्थडे मनाते। 11 दिसंबर को आज दिवंगत एक्टर की बर्थ जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर एक बार फिर उनके चाहने वाले नम आंखों से उन्हें याद करते नजर आ रहे हैं। वहीं, सायरा बानो ने भी अपने दिवंगत पति दिलीप साहब को याद करते हुए एक लंबा सा पोस्ट शेयर किया है। सायरा बानो ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'हर साल जब यह दिन आता है, तो मेरे दिल में एक अजीब हलचल उठती है। उन सभी पलों की याद जब मैंने आपको न केवल दुनिया के लिए एक कलाकार के रूप में, बल्कि एक ऐसे बेहतरीन इंसान के रूप में देखा, जिन्हें मैं जानती हूं। लोग अक्सर आपको एक संस्था, एक असाधारण और बेजोड़ प्रतिभा कहते हैं और वे सही भी हैं। लेकिन मैंने आपके कुछ अनसुने करिश्मे भी देखे हैं। जिस तरह आप हर भूमिका के लिए उस समय, उस खामोशी में सांस लेकर तैयारी करते थे। जिस तरह आप हर किरदार में इस कदर घुल–मिल जाते थे कि यहां तक कि मैं, जो आपको सबसे अच्छी तरह जानती थी, मैं भी उस अभिनय के पीछे छिपे इंसान को खोजने लगती थी। आपका समर्पण हमेशा आपकी कला और आपके प्रशंसकों के लिए तोहफा है।'अपनी इस पोस्ट में सायरा बानो ने दिलीप कुमार के साथ के कुछ पुराने वीडियोज भी शेयर किए हैं। इसमें से एक वीडियोमें सायरा बानो दिलीप कुमार के प्रति अपने प्यार का इजहार कर रही हैं। वो दिलीप साहब को सबसे खूबसूरत बताते हुए कहती हैं कि मेरी मोहब्बत हम दोनों के लिए काफी है। भले इन्हें मुझसे उतनी ही मोहब्बत हो न हो। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में दिलीप साहब और सायरा बानो अपने बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। बता दें, दिलीप कुमार और सायरा बानो ने 11 अक्टूबर 1966 को शादी रचाई थी। उस वक्त सायरा बानो सिर्फ 22 साल की थीं, जबकि दिलीप कुमार की उम्र 44 साल थी। एक्ट्रेस पूरे 20 साल एक्टर से छोटी थीं।

> अगर आज एक्टर जिंदा होते तो अपना १०३वां बर्थडि मनाते। ११ दिसंबर को आज दिवंगत एक्टर की बर्थ जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर एक बार फिर उनके चाहने वाले नम आंखों से उन्हें याद करते नजर आ रहे हैं। वहीं, सायरा बानो ने भी अपने दिवंगत पति दिलीप साहब को याद करते हुए एक लंबा सा पोस्ट शेयर किया है।

'भय' ट्रेलर वायरल-गौरव तिवारी की कहानी ने दर्शकों को किया दीवाना

अलमाइटी मोशन पिक्चर्स की आगामी पैरानॉर्मल थ्रिलर 'भय– ए गौरव तिवारी मिस्ट्री' रिलीज से पहले ही जबरदस्त चर्चा बटोर रही है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े फिल्ममेकर और अभिनेता जैसे राम गोपाल वर्मा, आनंद एल राय, वरुण शर्मा, जरीन खान, हिमांशु मेहरा, हंसल मेहता, अशोक पंडित और कई अन्य ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को उत्साहपूर्ण तरीके से साझा किया है। सीरीज में करण टक्कर और कल्कि मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिनके साथ सलोनी बत्रा, डैनिश सूद, निमेश नायर, घनश्याम गर्ग और अन्य प्रतिभाशाली कलाकार कहानी में गहराई और प्रामाणिकता जोड़ते हैं। भारत के पहले पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर गौरव तिवारी के जीवन पर आधारित यह शो उनके क्रांतिकारी केसों, रहस्यमय अनुभवों और मात्र 31 वर्ष की आयु में हुई उनकी संदिग्ध मृत्यु के इर्द–गिर्द बुना गया है। निर्देशक रॉबी ग्रेवाल ने प्रोजेक्ट के बारे में अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कहारू "यह एक असाधारण यात्रा थी। मैं गौरव से एक बार मिला था और हम साथ में कुछ करने की योजना बना रहे थे। उनकी अचानक मौत ने एक खालीपन छोड़ दिया। जब प्रभलीन ने मुझे यह कहानी बताई, तो मैं कुछ क्षणों के लिए ठहर गया शायद किस्मत चाहती थी कि मैं ही उनकी कहानी दुनिया के सामने लाऊं। अलमाइटी मोशन पिक्चर की सह–संस्थापक और निर्माता प्रभलीन संधू ने अपनी कृ तज्ञता व्यक्त करते हुए कहारू "इस शो को हर स्तर पर तैयार करना बेहद चुनौतीपूर्ण था। लेकिन निर्देशक रॉबी ग्रेवाल और अमेजन एमएक्स प्लेयर की बेहतरीन टीम कृ अमोघ दूदस, अरुणा दर्यानंजी, आनंद जैन की बदौलत यह सीरीज ईमानदार नीयत और साहसिक विजन के साथ बन पाई। ट्रेलर ने 24 घंटे के भीतर ही 1 करोड़ व्यूज पार कर लिए, जो दर्शकों के बीच जोरदार उत्सुकता और बेहतरीन ऑर्गेनिक रिस्पॉन्स का संकेत देता है। 'भय ए गौरव तिवारी मिस्ट्री' का प्रीमियर 12 दिसंबर (शुक्रवार) को केवल अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होगा।

शोले की आग बुझी, महाभारत के कर्ण ने कहा अलविदा, इस साल ने छीने कई सितारे

साल 2025 का अंतिम महीना चल रहा है। मनोरंजन जगत के लिए यह साल यादगार के साथ दर्दभरा भी रहा। इस साल कई सितारों ने डेब्यू किया तो कई ने दुनिया को अलविदा कह दिया। यह लिस्ट काफी लंबी है। इसमें शोले के धर्मेंद्र तो सिंगर जुबिन गर्ग और शेफाली जरीवाला का भी नाम शामिल है। एक दौर था जब हीमैन धर्मेंद्र की एक्शन और मुस्कान के साथ डायलॉग डिलीवरी पर फैंस फिदा हो जाते थे। उनका जाना न सिर्फ इंडस्ट्री का नुकसान है, बल्कि एक पूरी पीढ़ी की सांस्कृतिक विरासत का क्षय है। मनोज कुमार– साल के शुरुआती महीने में ही दुखद खबर मिली। 4 अप्रैल को भारत कुमार मनोज कुमार हमें अलविदा कह गए। 87 वर्षीय दिग्गज, जिन्होंने उपकार, पूरब और पश्चिम जैसी देशभक्ति फिल्मों से राष्ट्रप्रेम की मशाल जलाई, लंबी बीमारी से जूझते हुए मुंबई की कोकिलाबेन अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका जाना कुछ ऐसा है, जैसे 60–70 के दशक का एक अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया। मुकुल देवरू– मनोज कुमार के बाद मई का वह काला दिन आया, जब अभिनेता मुकुल देव के निधन की खबर फैल गई। 23 मई को मुकुल देव, मात्र 54 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद दुनिया छोड़ गए। श्कहानीश और स्पेशल 26 जैसी फिल्मों में अपनी दमदार मौजूदगी से याद आने वाले मुकुल, अभिनेता और खलनायक की भूमिका में जान फूंक देते थे। ोफाली जरीवाला– जिंदगी की पटकथा अनिश्चित होती है। फैंस को एक और झटका 28 जून को लगा, जब शेफाली जरीवाला, के निधन की खबर आई। कांटा लगा गर्ल कार्डियक अरेस्ट से 42 वर्ष की उम्र में दुनिया से चल बसीं। मुझसे शादी करोगी और सलमान खान के टीवी शो बिग बॉस से पहचान बनाने वाली शेफाली की मौत ने फैंस को स्तब्ध कर दिया था। अच्युत पोद्दार– अगस्त ने फिर से घाव दिए। 18 अगस्त को थ्री इडियट्स और लगे रहो मुन्नाभाई में यादगार भूमिका निभाने वाले एक्टर का निधन हो गया। उनकी सादगी भरी एक्टिंग दर्शकों को खासा पसंद आती थी। प्रेम सागर रू– अगस्त महीने के अंत में दुखद खबर फिर से सामने आई। 31 अगस्त को रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर, कैंसर से जूझते हुए 81 वर्ष की आयु में अलविदा कह गए। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों के निर्माता के रूप में उनकी विरासत टीवी इतिहास का सुनहरा अध्याय है। जुबिन गर्ग– 19 सितंबर को असम, बंगाली और बॉलीवुड के लोकप्रिय सिंगर जुबिन गर्ग का निधन सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हो गया। 52 वर्षीय जुबिन की आवाज हमेशा के लिए बंद हो गई। पंकज धीर– 15 अक्टूबर को महाभारत के कर्ण पंकज धीर कैंसर से लड़ते हुए 68 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। महाभारत में कर्ण का किरदार निभाकर घर–घर लोकप्रिय हुए अभिनेता पंकज धीर को आवाज और दमदार अभिनय की वजह से काफी पसंद किया जाता था।असरानी और सुलक्षणा पंडित– 20 अक्टूबर को शोले के जेलर असरानी, 84 वर्ष की उम्र में चल बसे। वहीं, 70 के दशक की मशहूर गायिका–अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का 6 नवंबर को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। सतीश शाह–साराभाई वर्सेज साराभाई के सतीश शाह ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया। कई टीवी सीरियल्स के साथ ही फिल्मों में भी काम कर चुके सतीश शाह का निधन 25 अक्टूबर को हो गया था। कामिनी कौशल– एक्ट्रेस कामिनी कौशल, 98 वर्ष में दुनिया छोड़ गईं। लंबे समय से बीमार चल रहीं अभिनेत्री की अंतिम फिल्म आमिर खान–करीना कपूर स्टारर लाल सिंह चड्ढा थी। धर्मेंद्र– अभिनेता धर्मेंद्र के निधन को अभी कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री इस दुख से अभी तक उबर नहीं पाई है। 24 नवंबर को मुंबई में 89 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। लंबी बीमारी से जूझ रहे धर्मेंद्र अस्पताल से छुट्टी लेकर घर पर थे। धर्मेंद्र ने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जहां वह रोमांटिक हीरो से लेकर एक्शन स्टार तक हर किरदार में खूब जंचते थे। उनकी आखिरी फिल्म इक्कीस 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

एतिहाद एयरवेज में खाना खाने के बाद हो गई बेहोश नीलम कोठारी, नाराजगी जाहिर कर बोलीं-ऐसी लापरवाही बर्दाश्त से बाहर है

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस नीलम कोठारी भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आतीं, लेकिन वह अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना टोरेंटो से मुंबई की फ्लाइट का एक दुखद अनुभव शेयर किया है और बताया कि वहां खाना खाने के थोड़े समय बाद वह बेहोश हो गई थीं लेकिन वहां के स्टाफ ने इस बात को नजरअंदाज किया। नीलम कोठारी ने एक्स हैंडल पर एयरलाइन्स से शिकायत करते हुए अपनी आपबीती सुनाई और लिखा– एतिहाद एयरलाइन्स, टोरंटो से मुंबई की मेरी लेटेस्ट फ्लाइट में मेरे साथ जिस तरह का बर्ताव हुआ, उससे मैं निराश हूं। मेरी फ्लाइट न केवल 9 घंटे लेट हुई, बल्कि खाने के बाद मैं फ्लाइट में ही बुरी तरह बीमार पड़ गई और बेहोश हो गई। उन्होंने आगे बताया–एक पैसेंजर ने मुझे मेरी सीट तक पहुंचाने में मदद की। लेकिन आपके स्टाफ की तरफ से न तो मुझे किसी प्रकार की मदद मिली और न ही मेरा हालचाल पूछा गया। मैंने आपके कस्टमर केयर से भी कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त से बाहर है। प्लीज इस मामले को जल्द ही निपटारा करें। एक्ट्रेस के पोस्ट के बाद एतिहाद एयरवेज ने रिएक्ट करते हुए लिखा, हेलो नीलम। ये सुनकर दुख हुआ। प्लीज डायरेक्ट मैसेज में हमसे बात करें। हम इस मामले की जांच करेंगे और आपकी मदद करेंगे। धन्यवाद। काम की बात करें तो नीलम कोठारी ने बॉलीवुड में 1980 और 1990 के दशक में 'हत्या', 'खुदगर्ज', 'लव 86', 'दो कैदी' और 'अफसाना प्यार का' जैसी कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर में करीब 45 फिल्मों में ही काम किया है। लंबे समय से ब्रेक के बाद एक्ट्रेस ने इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना नाम चमका रही हैं।

बिग बॉस 19 की फाइनलिस्ट तान्या मित्तल पर स्टाइलिस्ट ने लगाए गंभीर आरोप

बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद, फाइनलिस्ट तान्या मित्तल एक बड़े विवाद में घिर गई हैं। उनकी स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिद्धिमा का दावा है कि तान्या ने अभी तक उनके काम का भुगतान साफ नहीं किया है, उनके कपड़े वापस नहीं किए हैं, और डिजाइनर तथा स्टाइलिस्ट को अपमानित करने की कोशिश की है।

रिद्धिमा शर्मा का इंस्टाग्राम पोस्ट

बुधवार को, स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक लम्बा पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने तान्या मित्तल पर अपना बकाया न देने का आरोप लगाया। उन्होंने अपनी निराशा जाहिर करते हुए दावा किया कि तान्या की टीम ने उनके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया। रिद्धिमा ने यह नोट एक वीडियो के साथ शेयर किया, जिसमें तान्या से उनकी साड़ियों के बारे में सवाल पूछे जा रहे थे। रिद्धिमा ने लिखा, मैंने हमेशा हर इंटरव्यू में तान्या का साथ दिया। मैंने ही उन्हें सारे कपड़े दिलवाए, और अब वे हमें ही एटीट्यूड दिखा रही हैं।

कपड़ों और पेमेंट पर विवाद

रिद्धिमा ने स्पष्ट किया कि स्टाइलिस्ट और डिजाइनर में बहुत अंतर होता है, और उन्होंने खुद को स्टाइलिस्ट बताया। उन्होंने दावा किया, श्पूरे एक हफ्ते तक, हर साड़ी और लहंगा मैंने भेजा था, और वे सभी महंगे थे। अब तक, कोई भी कपड़ा वापस नहीं किया गया है।श उन्होंने आगे बताया कि तान्या को कपड़े पसंद आए पर उन्होंने एक बार भी तारीफ नहीं की, और अब वह टेलर और डिजाइनर के बारे में गलत बातें कर रही हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या सम्मान ऐसा दिखता है?

रिद्धिमा ने यह भी दावा किया कि एक बार उनकी टीम को चेतावनी दी गई थी, श्अगर आज की साड़ी नहीं आई, तो पेमेंट नहीं किया जाएगा।

बकाए और रवैये की शिकायत

स्टाइलिस्ट ने जल्दबाजी में काम करवाने और कम सम्मान देने की शिकायत की। उन्होंने कहा, कल उन्हें दोपहर 1:30 बजे मंदिर जाना था, और मुझे सुबह 11 बजे फोन आया कि उन्हें आउटफिट चाहिए। मैंने फिर भी एक घंटे में सब कुछ अरेंज कर दिया और डिलीवरी का पेमेंट भी खुद किया। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उन्होंने बहुत कम चार्ज किया, जबकि उनके द्वारा भेजे गए कपड़े (जैसे कि कल का लहंगा ही 58 हजार का था) बहुत महंगे थे। रिद्धिमा ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने कहा कि वह दूसरे शहर में होने के कारण सोर्सिंग नहीं कर सकतीं, तो तान्या ने कहा, अगर आज का आउटफिट नहीं आया, तो पेमेंट बिल्कुल नहीं आएगा। हालांकि, 10 मिनट के अंदर एक हफ्ते का 50,000 का भुगतान कर दिया गया।

रोजाना मस्कारा का इस्तेमालः कहीं बन न जाए आंखों की सेहत के लिए खतरा, जानें क्या हैं जोखिम

आकर्षक दिखाने में मदद करता है। अब चाहे ऑफिस हो, पार्टी या रोजमर्रा के मेकअप में महिलाएं बिना सोचे–समझे मस्कारा को डेली रूटीन में जरुर शामिल करती हैं। हालांकि, कुछ महिलाएं यह नहीं जानती है कि रोजाना मस्कारा लगाने की आदत आपकी आंखों की सेहत पर धीरे–धीरे प्रभाव डालती हैं। मस्कारा में पाए जाने वाले केमिकल्स, प्रिजर्वेटिव्स और वाटरप्रूफ फॉर्मूले पलकों को कमजोर बना सकते हैं और आंखों में जलन, खुजली या इफेंक्शन का कारण बन सकता है। आमतौर पर मस्करा को सही से ना हटाया जाए या फिर एक्सपायर्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया तो यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। आइए आपको बताते हैं रोजाना मस्कारा लगाने से क्या होता है?

रोजाना मस्कारा लगाने की आदत से परहेज करें

– डेली मस्कारा लगाने से आंखों में जलन, खुजली या रेडनेस हो सकती है, खासकर संवेदनशील आंखों वालों में। अक्सर केमिकल्स आंखों को इरिटेट करता है।

– अगर आप रोजाना मस्कारा लगाते हैं, तो इसे सही तरीके से ना हटाने से पलकें कमजोर होकर टूटने लगती हैं और कई बार तो झड़ने लगती हैं।

– यदि आप पुराना या एक्सपायर्ड मस्कारा का इस्तेमाल करते हैं, तो यह बैक्टीरिया पैदा होने का घर बन जाता है। जिस करण से आपको आई इंफेक्शन, स्टाई या कंजक्टिवाइटिस हो सकता है।

– मस्कारा में मौजूद होता है अल्कोहल और प्रिजर्वेटिव्स, जो पलकों को ड्राई और बेजान बना सकता है।

– कुछ लोगों के लिए मस्कारा से वॉटरिंग, सूजन या एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। ऐसे में तुरंत इस्तेमाल करना बंद कर दें।

– अगर आप बार–बार मस्कारा अप्लाई करेंगी तो आंखों की नेचुरल नमी प्रभावित हो सकती है जिससे ड्राई आई सिंड्रोम की समस्या बढ़ सकती है।

सेफ्टी टिप्स

अगर आप हर 3–4 महीने में मस्कारा बदलें व सोने से पहले इसे पूरी तरह से हटाएं। इसके अलावा, वाटरप्रूफ मस्कारा रोज न लगाएं और आंखों में इंफेक्शन हो तो मस्कारा इस्तेमाल ना करें।

सर्दियों में गुड़ से बनाएं स्वादिष्ट खीर, स्वाद के साथ सेहत को भी मिलेगा फायदा

सर्दियों के मौसम में कुछ लोग चीनी छोड़कर गुड़ का सेवन करना पसंद करते है। ऐसा इसलिए क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है, जोकि ठंड से राहत दिलाता है। अब गुड़ न सिर्फ ठंड बल्कि हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। अगर आप चीनी से बनी मिठास से थोड़ा ब्रेक लेना चाहते हैं, तो गुड़ वाली खीर एक अच्छा ऑप्शन है। गुड़ न सिर्फ खीर को गहरा और कैरेमलाइज्ड स्वाद देता है, बल्कि यह शरीर को अंदर से गर्म रखने में भी सहायता करता है। जोकि सर्दियों के मौसम के लिए काफी फायदेमंद होता है। गुड़ वाली खीर सामान्य खीर को फेल कर देता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ गुड़ की खीर की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं।

सामग्री

दूध– 1 लीटर

चावल– 1/4 कप (1 घंटे पहले भिगोए हुए)

गुड़– 1/2 कप या स्वादानुसार (कद्दूकस किया हुआ या छोटे टुकड़ों में)

घी–1 छोटा चम्मच

इलायची पाउडर–1/2 छोटा चम्मच

बादाम

काजू

किशमिश (कटे हुए)

केसर के धागे

गुड़ की खीर बनाने की विधि

खीर बनाने के लिए सबसे पहले एक भगोने में घी गरम करके इसमे भीगे हुए चावल डालकर भूनें।

फिर एक मिनट भूनने के बाद इसमें दूध डालकर तेज आंच पर एक उबाल आने दें। फिर जब उबाल आ जाए, तब फ्लेम को स्लो करके धीरे–धीरे पकने दें।

अब दूध को धीमी आंच पर तब तक पकाना चाहिए, जब तक चावल अच्छे से पक न जाए।

दूध की मात्रा जब आधी रह जाए और खीर मलाईदार हो जाए, तो इसमें कटे हुए मेवे और इलायची पाउडर मिलाएं।

अब गैस बंद कर खीर को आंच को उतारें और 5–10 मिनट रुकने के बाद कद्दूकस किया हुआ गुड़ डालें और इसको अच्छे से मिलाएं।

आप पाएंगे कि कुछ ही देर में गुड़ पिघल जाएगा और खीर को एक अच्छा रंग और मीठा स्वाद मिलेगा।

खीर को बाउल में निकालकर ऊपर से कटे हुए मेवों और थोड़े से गुड़ के टुकड़ों से सजाकर सर्व करें।

इन बातों का रखें ध्यान

गुड़ वाली खीर बनाने के दौरान गैस की फ्लेम का खास ध्यान रखना चाहिए।

बीच–बीच में दूध और चावल को अच्छे से चलाते रहें। जिससे कि यह बर्तन की तली में चिपके नहीं।

गुड़ की खीर में गुड़ मिलाने का समय ध्यान रखें, वरना दूध फट जाएगा।

बच्चे को कब तक मां का दूध पिलाना चाहिए ? डॉक्टर ने बताई सही उम्र

मां बनना हर महिला के लिए खुशी का सबसे बड़ा पल होता है। लेकिन जैसे–जैसे बच्चा बड़ा होने लगता है, कई मां के मन में यह सवाल उठने लगता है कि आखिर कब तक बच्चे को स्तनपान करवाना चाहिए और कब उसे ऊपरी दूध या सॉलिड फूड पर लाया जाए। अक्सर जल्दबाजी में स्तनपान रोक देने से बच्चे की सेहत पर बुरा असर भी पड़ सकता है। ऐसे में डॉक्टर बताते हैं कि बच्चे को किस उम्र तक मां का दूध जरूर देना चाहिए और इसके क्या फायदे हैं।

6 महीने तक सिर्फ मां का दूध ही दें

डॉक्टरों के अनुसार जन्म से लेकर 6 महीने तक बच्चे को सिर्फ और सिर्फ मां का दूध ही देना चाहिए। इस दौरान बच्चे को पानी तक नहीं दिया जाता, क्योंकि मां का दूध ही उसके लिए पूर्ण पोषण और हाइड्रेशन का एकमात्र स्रोत होता है।

2 साल तक स्तनपान जारी रखना जरूरी

डॉक्टर बताते हैं कि बच्चे की बेहतर ग्रोथ और इम्यूनिटी के लिए कम से कम 2 साल तक स्तनपान जारी रखना चाहिए।

अगर 2 साल के बाद भी मां और बच्चा दोनों कंफर्टेबल हों और दूध बनने में दिक्कत न हो, तो स्तनपान आगे भी जारी रखा जा सकता है।

स्तनपान के फायदे, बच्चे के लिए बेहद जरूरी

ब्रेस्टफीडिंग बच्चे में न केवल पोषण पहुंचाती है, बल्कि उसकी सेहत को कई तरह से मजबूत बनाती है।

बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत होती है और संक्रमणों से बचाव होता है (डायरिया, फ्लू, न्यूमोनिया)।

बच्चे के दिमाग और शरीर का बेहतर विकास, मां और बच्चे की इमोशनल बॉन्डिंग बढ़ती है।

कामकाजी महिलाएं भी अपने दूध को पम्प कर बोतल में भरकर बच्चे के लिए छोड़ सकती हैं।

स्तनपान न करवाने के नुकसान

यदि बच्चा मां का दूध नहीं पीता, तो उसके स्वास्थ्य पर ये प्रभाव पड़ सकते हैं।

संक्रमणों का खतरा ज्यादा और रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होना।

क्रोनिक बीमारियों का बढ़ता जोखिम और पाचन तंत्र कमजोर होना।

धीमी वृद्धि और विकास में कमी होना।

मां के लिए स्तनपान क्यों फायदेमंद है?

बस्तनपान न सिर्फ बच्चे के लिए, बल्कि मां की सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। अगर मां स्तनपान नहीं करवाती, तो उसके स्वास्थ्य पर कई तरह के जोखिम बढ़ सकते हैं, जैसे प्रीमेनोपॉजल ब्रेस्ट कैंसर और ओवेरियन कैंसर का खतरा , टाइप–2 डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की समस्या। इसके अलावा, प्रेग्नेंसी के दौरान बढ़ा वजन कम करने में दिक्कत आती है और पोस्टपार्टम डिप्रेशन का जोखिम भी बढ़ सकता है।

डॉक्टरों की स्पष्ट सलाह है कि 6 महीने तक केवल मां का दूध और कम से कम 2 वर्ष तक स्तनपान बच्चे के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जरूरी है। इससे बच्चे की इम्यूनिटी से लेकर विकास तक हर पहलू बेहतर होता है, और मां की सेहत पर भी काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आज के समय में लड़कियां और लड़के एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। लड़कियां अपने करियर को प्राथमिकता दे रही हैं और ऑफिस जाती हैं। करियर के साथ ही लड़कियां अपने लुक्स पर भी ध्यान देती हैं। हर एक लड़की अपने ऑफिस में परफेक्ट दिखना चाहती हैं। लड़कियों का आत्मविश्वास मेकअप और ड्रेसिंस सेंस बढ़ जाता है। लेकिन कई लड़कियां ऐसी भी होती हैं, जिनको यह समझ नहीं आता है कि ऑफिस या मीटिंग में जाने के लिए उनको कैसा मेकअप करना चाहिए।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऑफिस के हिसाब से मेकअप करने के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह का मेकअप करके आप ऑफिस में अपने लुक को परफेक्ट दिखा सकती हैं।

हल्का रखें बेस

ऑफिस के हिसाब से अगर आप अपना मेकअप कर रही हैं, तो बेस को हल्का रखना चाहिए। ध्यान रखें कि फाउंडेशन आपकी स्किन टोन से मैच करता हुआ हो। बेस लगाते समय चेहरे के दाग–धब्बों को कंसीलर की सहायता से कवर कर लें।

हल्का ब्लश

अपने ऑफिस लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हल्के गुलाबी या पीच रंग के ब्लश का इस्तेमाल करें। आप फेस पर ग्लो लाने के लिए हाइलाइटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

आंखों पर लगाएं न्यूड कलर

ऑफिस में आखों पर मेकअप करने के लिए न्यूड पैलेट से रंगों का चयन करना चाहिए। इससे आपकी आंखें बड़ी लगेंगी। अब आईब्रो को हल्का सेट करें।

लिपस्टिक

डार्क रंग के फॉर्मल के साथ आप ब्राउन या रेड रंग की लिपस्टिक लगा सकती हैं। अगर आपका आउटफिट लाइट रंग का है, तो इसके साथ न्यूड रंग की लिपस्टिक कैरी कर सकती हैं।

ठंड में उंगलियों की सूजन का पक्का इलाज, एक्सपर्ट ने बताया कैसे पाएं तुरंत आराम

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही कई लोग हाथ–पैर की उंगलियों में सूजन, लालपन, खुजली और हल्के दर्द जैसी समस्याओं से परेशान होने लगते हैं। अचानक तापमान बदलने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ जाता है, जिसका असर उंगलियों पर सबसे पहले दिखाई देता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर इस परेशानी को समय रहते समझकर सही कदम उठाए जाएं, तो यह समस्या आसानी से कंट्रोल हो सकती है।

ठंड होने पर उंगलियां क्यों सूज जाती हैं?

मौसम में तापमान गिरने के कारण शरीर की नसें सिकुड़ने लगती हैं और नसों में रक्ध्त का प्रवाह धीमा पड़ जाता है। हाथ और पैर शरीर का आखिरी हिस्सा होता है इसलिए यहा तक खून धीमे–धीमे पहुंच पाता है इसी लिए उंगलियों में सूजन आती है और जब आप बहुत जल्दी गर्म हो जाते हैं तो रक्त वाहिकाएं फिर से बड़ी हो जाती हैं और रक्त आपकी उंगलियों और पैर की उंगलियों में जल्दी से फैलने लगता है जिससे दर्द या सूजन हो सकती है। ब्लड सर्कुलेशन में कमी आने के कारण फ्लूइड रिटेंशन हो सकता है हालांकि इससे बचने के कुछ उपाय भी है जिसे फॉलो करके इस समस्या से बचा जा सकता है।

ठंड के कारण सूजी हुई उंगलियों का इलाज कैसे करें?

सर्दी में नहीं सूजेंगी उंगलियां अगर करेंगे ये काम

एक्सपर्ट बताती हैं कि नियमित देखभाल से इस समस्या में काफी राहत मिल सकती है।

गर्म पानी से धोएं उंगलियांः सोने से पहले हल्के गुनगुने पानी से हाथ–पैर की उंगलियों को धोएं। इससे ब्लड सर्कुलेशन एक्टिव होता है।

तिल के तेल से मसाज करेंः साफ और सुखी उंगलियों पर तिल का तेल लगाकर 5 मिनट हल्की मसाज करें। इससे रक्त प्रवाह बेहतर होता है। त्वचा का सूखापन कम होता है। सूजन और खुजली जल्दी शांत होती है।

इन चीजों का सेवन जरूर करें

ठंड के मौसम में खानपान सही रखा जाए तो उंगलियों की सूजन काफी हद तक कम हो सकती है। एक्सपर्ट के अनुसार, आहार में मैग्नीशियम और जिंक जरूर शामिल करें।

खाने में शामिल करें

कद्दू के बीज

काला चना

काजू

ये चीजें शरीर का तापमान संतुलित रखने में मदद करती हैं और सर्दी के मौसम में सूजन की समस्या कम करती हैं। अगली सर्दियों में समस्या न हो इसके लिए अभी से ये आदत अपनाएंइस परेशानी से पूरी तरह बचने का सबसे असरदार तरीका है कि आप अपनी दिनचर्या में हल्की एक्सरसाइज को जगह दें।

क्यों जरूरी है एक्सरसाइज?

इससे ब्लड सर्कुलेशन मजबूत होता है हाथ–पैर की उंगलियों में खून सही तरह पहुंचता है ठंड लगने पर लालपन और सूजन होने की संभावना बेहद कम हो जाती है।

यदि आपकी उंगलियां सर्दियों में बार–बार लाल, सूजी या दर्द वाली हो जाती हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। गर्म पानी, तिल तेल मसाज, सही डाइट और रोजाना थोड़ी एक्सरसाइज से यह समस्या न केवल कम होती है बल्कि भविष्य में दोबारा भी नहीं होती।

संक्षिप्त

भारत के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, उद्योगों में आत्मनिर्भर बनना जरूरी: मुकेश अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश की भावी प्रगति की राह में चुनौती पैदा करने वाले भू–राजनीतिक हालात से निपटने के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों एवं उद्योगों में आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। अंबानी ने यहां पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (पीडीईयू) के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बाकी दुनिया में भरोसे के अभाव के बीच भारत आठ प्रतिशत की दर से छलांग लगा रहा है। पीडीईयू के अध्यक्ष अंबानी ने कहा, "पूरी दुनिया में भरोसे की कमी है, लेकिन भारत आशा और आत्मविश्वास से लबरेज है। एक दशक पहले भारत के अन्य हिस्सों में केवल 'वाइब्रेंट गुजरात' की चर्चा थी, आज पूरी दुनिया 'वाइब्रेंट इंडिया' की बात कर रही है।" हालांकि उन्होंने कहा कि भू–राजनीतिक परिस्थितियों ने भारत के भविष्य की प्रगति के लिए कुछ चुनौतियां पैदा की हैं। उन्होंने इसका कोई उदाहरण नहीं दिया लेकिन चीन का वैश्विक आपूर्ति शृंखला और महत्वपूर्ण खनिजों पर नियंत्रण दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए रणनीतिक चिंता का विषय बनकर उभरा है। अंबानी ने संस्थान के स्नातक छात्रों से कहा कि उन्हें जिज्ञासा, साहस, धैर्य और कृतज्ञता को जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत मानकर त्वरित प्रौद्योगिकी परिवर्तन वाले विश्व में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने छात्रों को कहा कि वे नए भारत की अजेय भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख ने कहा कि भारत इस समय वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है लेकिन उसके लिए कृत्रिम मेधा (एआई), नवीन ऊर्जा, अंतरिक्ष, जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करना जरूरी है। अंबानी ने छात्रों से कहा, "इस दौड़ में जो जीता वही सिकंदर। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत जीतेगा।" उन्होंने पीडीईयू को भी हरित ऊर्जा, हरित पदार्थ और हरित अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शामिल होने का लक्ष्य रखने के लिए कहा।

दिल्ली में चांदी 2,400 रुपये उछलकर 1.94 लाख प्रति किलो के नए रिकॉर्ड स्तर पर

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 2,400 रुपये बढ़कर 1,94,400 रुपये प्रति किलोग्राम के नई ऊंचाई पर पहुंच गईं। वहीं स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 90 रुपये बढ़कर 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। रुपये में कमजोर रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती के बीच मजबूत वैश्विक संकेतों के साथ चांदी में तेजी आई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को चांदी11,500 रुपये बढ़कर 1,92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर रही थी। इस वर्ष की शुरुआत से, चांदी 1,04,700 रुपये यानी 116.72 प्रतिशत चढ़ी है। 31 दिसंबर, 2024 कोयह 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक, दिलीप परमार ने कहा, ''मजबूत हाजिर और निवेश मांग की वजह से बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत एक और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं।'' उन्होंने कहा, ''घरेलू कीमतों में तेजी का कारण बाजार में कम आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी में रिकॉर्ड तेजी और भारतीय रुपये का कमजोर होना है। परमार ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति की कमी, चीन से लगातार ज्यादा मांग और औद्योगिक खपत में बढ़ोतरी की वजह से इस साल लाभ के मामले में चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ''घरेलू बाजार में, हाजिर चांदी की कीमत में अच्छी तेजी दिख रही है और आने वाले दिनों में इसके 2,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचने की उम्मीद है।'' स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 90 रुपये बढ़कर 90 रुपये बढ़कर 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। सर्राफा संघ के अनुसार, सोना 1,32,490 प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि पिछली बार यह 1,32,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 15.55 डॉलर या 0.37 प्रतिशत टूटकर 4,213.12 डॉलर प्रति औंस रहा। हाजिर चांदी में लगातार तीसरे सत्र में तेजी रही, जो 1.06 डॉलर यानी 1.71 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 62.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गयी। चांदी 31 दिसंबर, 2024 को 28.97 डॉलर प्रति औंस थी इस साल अब तक इसमें 33.91 डॉलर यानी 117.06 प्रतिशत बढ़ा है।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में तेजी; सेंसेक्स 449 अंक उछला

नई दिल्ली। धातु शेयरों में खरीदारी और सकारात्मक वैश्विक रुझानों के चलते शुक्रवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स में लगभग 450 अंकों की तेजी आई। वहीं व्यापक निफ्टी 26,000 के स्तर से ऊपर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 449.53 अंक या 0.53 प्रतिशत चढ़कर 85,267.66 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 502.69 अंक या 0.59 प्रतिशत बढ़कर 85,320.82 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148.40 अंक या 0.55 प्रतिशत बढ़कर 26,046.95 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर 90.41 पर बंद हुआ। सेंसेक्स कंपनियों में टाटा स्टील, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, लार्सन एंड टुब्रो, मारुति और भारती एयरटेल प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियां रहीं। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, आईटीसी और एशियन पेंट्स पिछड़ने वालों में शामिल थे।

फेड के फैसलों से वैश्विक धारणा में हुआ सुधार

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद वैश्विक जोखिम लेने की प्रवृत्ति में सुधार हुआ है, जिससे तरलता को लेकर आशावाद बढ़ा है और रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और विदेशी निवेशकों (एफआईआई) के लगातार बहिर्वाह के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में तेजी आई है। व्यापक सूचकांक खरीदारी के रुझान दिखा रहे हैं और हालिया समेकन के बाद वापसी कर रहे हैं।

भारत कैसे जीतेगा टी20 विश्वकप ? कप्तान–उपकप्तान फॉर्म में नहीं, सवाल– बल्लेबाजी क्रम के प्रयोग क्यों फेल हो रहे ?

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 केवल 57 दिन दूर है। भारत के लिए यह समय न केवल चयन और संयोजन तय करने का है, बल्कि यह रूपरेखा तय करने का भी है कि कौन सी बल्लेबाजी क्रम मजबूत है, किस खिलाड़ी पर भरोसा है और कौन से विकल्प टीम के लिए भरोसेमंद साबित होंगे। भारत की वर्तमान स्थिति कुछ परेशान करने वाली लगती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल दोनों ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गंभीर रूप से संघर्ष कर रहे हैं। पिछले मैचों में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दोनों का जल्दी आउट होना भारत की चिंताओं को और बढ़ा देता है। इतना ही नहीं, बल्लेबाजी क्रम में किए जा रहे प्रयोग– जैसे अक्षर पटेल को नंबर–तीन भेजना और शिवम दुबे को नंबर–आठ पर खिलाना, आलोचना का कारण बन रहे हैं। वैसे तो भारत के पास बहुत सारे बल्लेबाजी विकल्प हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह टीम विश्व कप के लिए सबसे बेहतर संयोजन है या सिर्फ प्रयोग?

कप्तान और उपकप्तान की खराब फॉर्म बड़ी चिंता

सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल दोनों ही 2025 में बेहतरीन टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्म नहीं दिखा पाए हैं। गिल की स्थिति तो और खराब दिखती है। उन्होंने 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में एक भी 50+ रन की पारी नहीं खेली और 263 रन बनाए, जबकि सूर्यकुमार भी 2025 में 17 पारियों में सिर्फ 201 रन बना पाए हैं। इसमें एक भी अर्धशतक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में गिल चार और सूर्यकुमार 12 रन बना पाए थे, जबकि दूसरे टी20 में गिल शून्य और सूर्यकुमार पांच रन बना सके। बैटिंग पिच पर दोनों को इस तरह जूझते देखना सवाल खड़े करता है। टी20 विश्व कप भी भारत और श्रीलंका में होना है। जब हम अपने ही घर में जूझते दिखेंगे तो विश्व कप कैसे जीत पाएंगे, यह बड़ा सवाल है। कमेंटेटर और पूर्व खिलाड़ी इस बात से नाखुश हैं। इरफान पठान ने भी कहा, श्शुभमन गिल का टी20 फॉर्म विश्व कप से पहले एक बड़ी चिंता है। उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी की चमक वापस पाएंगे, वरना यह भारत के लिए बड़ी समस्या बन सकता है।श इस बेमौसमी फॉर्म स्लंप के बावजूद, टीम मैनेजमेंट अभी तक इन दोनों खिलाड़ियों पर भरोसा बनाए हुए है। खासकर गिल पर, जिन्हें ओपनिंग साथी के रूप में बरकरार रखा गया है। गिल को टीम में लाने के लिए इन फॉर्म बल्लेबाज संजू सैमसन को अपनी जगह खाली करनी पड़ी।

अक्षर पटेल को नंबर–3 पर क्यों?

भारतीय टीम के चयन और रणनीति पर सबसे बड़ा रोष खेल में किए गए प्रयोगों पर है। जब भारत ने 214 रन के लक्ष्य का पीछा शुरू किया, तो पहला विकेट जल्दी गिर गया। स्थिति यह थी कि टीम को अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय अक्षर पटेल को नंबर–तीन पर भेजा गया, जो अक्सर अपनी बल्लेबाजी के लिए काफी आक्रामक विकल्प नहीं माने जाते। यह निर्णय कई क्रिकेट विशेषज्ञों और फैन्स को समझ में नहीं आया। खासकर तब जब टीम के पास बल्लेबाजी के शीर्ष क्रम में खेलने के लिए और भी बेहतर तकनीकी विकल्प मौजूद हैं। नंबर तीन पर सूर्यकुमार आते हैं, लेकिन वह नहीं आए। तिलक वर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी की और उन्हें भी जल्दी भेजा जा सकता था, लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ। अक्षर ने 21 गेंद में 21 रन बनाए। बड़े स्कोर का पीछा करते हुए यह पारी काफी धीमी थी। शिवम दुबे को नंबर–आठ निवेश करना भी टीम की बल्लेबाजी रणनीति पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। विकेट गिरने के बाद धैर्य और एकाग्रता की जरूरत थी, लेकिन इन प्रयोगों ने टीम को बैटिंग में मजबूती देने के बजाय उलझन में डाल दिया। दुबे सीएसके में स्लॉग बैटर के तौर पर इस्तेमाल किए जाते रहे हैं और रन रेट बढ़ाने के लिए उन्हें नंबर तीन भेजकर उन पर विश्वास भी जताया जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सैमसन बनाम गिलरू कौन उपयुक्त ओपनर?

शायद सबसे बड़ा विवाद यह है कि संजू सामसन क्यों टीम से बाहर हैं, जबकि उन्होंने 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीन शतक जड़े थे। सैमसन और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी ने एशिया कप से पहले अधिकतर मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था और भारत को मजबूत शुरुआत दी थी। इसके बावजूद, टीम मैनेजमेंट ने उन्हें मध्यक्रम में भेज दिया और अंततः टीम से ही बाहर कर दिया। विशेषज्ञों ने प्वाइंट आउट किया है कि यह निर्णय आंकड़ों और वर्तमान फॉर्म के खिलाफ लिया गया है। 2024 से अब तक सैमसन ने 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 621 रन बनाए। इनमें दो अर्धशतक और तीन शतक शामिल हैं। वहीं, गिल ने साल 2025 में 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 263 रन बनाए हैं। कहना का तात्पर्य यह है कि सैमसन का फॉर्म बरकरार था, लेकिन एशिया कप 2025 से सबकुछ बदल गया। इस पर रॉबिन उथप्पा की भी प्रतिक्रिया आई। उन्होंने कहा, श्मैं पूछता हूं कि अभिषेक और सैमसन की जोड़ी ने ऐसा क्या गलत किया कि इसे बदल दिया गया? सैमसन ने तीन शतक लगाए और उन्होंने अपने अवसर का पूरा फायदा उठाया। उन्हें मौका मिलने के बावजूद टीम द्वारा हटाया जाना समझ से परे है।श उथप्पा का मानना है कि सैमसन जैसे खिलाड़ी को मौका मिलना चाहिए था, खासकर जब उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में वापसी के बाद धमाकेदार पारियां खेलीं।

क्या गिल की फॉर्म में निरंतर गिरावट शक का विषय है?

गिल के साथ बड़ी उम्मीदें जुड़ी हैं। वह लंबे समय से टीम के टेस्ट और वनडे संयोजनों का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक उनके रन नहीं आ रहे हैं।

फॉर्म नदारद, लेकिन फिक्र नहीं! गिल–सूर्यकुमार की खराब बल्लेबाजी पर भारतीय कोच का चौंकाने वाला बयान

मुल्लांपुर। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में भारत की 51 रन से हार के बाद भले ही कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल की खराब फॉर्म पर सवाल उठ रहे हों, लेकिन टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे ने दोनों खिलाड़ियों का जोरदार बचाव किया है। उन्होंने साफ कहा कि इन दिग्गज बल्लेबाजों से टीम को किसी तरह का खतरा महसूस नहीं हो रहा है और वे जल्द ही बड़ी पारियां खेलते हुए फॉर्म में लौटेंगे। मुल्लांपुर में खेले गए मुकाबले में सूर्यकुमार पांच रन और शुभमन खाता खोले बिना आउट हुए। दोनों की फॉर्म को देखते हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले इसे एक बड़ी चिंता माना जा रहा था, लेकिन असिस्टेंट कोच ने इसे गंभीर मुद्दा मानने से इनकार कर दिया।

मौजूदा फॉर्म पर टेन डेशकाटे का भरोसा

टेन डेशकाटे ने कहा कि पिछले दो मैचों की असफलता को ज्यादा तूल देने की जरूरत नहीं। उन्होंने गिल की बल्लेबाजी को डिफेंड करते हुए कहा, श्पहले मैच में हमने खिलाड़ियों को कहा था कि पावरप्ले में अटैक करो। कटक की विकेट अच्छी नहीं थी, इसलिए उस इनिंग को मैं नजरअंदाज कर दूंगा। दूसरे मैच में गिल को लुंगी एनगिडी ने एक शानदार गेंद पर आउट किया। जब फॉर्म अच्छा नहीं होता है तो ऐसी गेंदें आपको मिलती रहती हैं।श डेशकाटे ने आगे कहा कि गिल मानसिकता बदलने की दिशा में काम कर रहे हैं और जल्द ही इसका नतीजा दिखाई देगा।

टीम मैनेजमेंट दोनों खिलाड़ियों के साथ खड़ा

डेशकाटे ने गिल और सूर्यकुमार दोनों का समर्थन करते हुए कहा, श्हम उनकी क्लास जानते हैं। आप उनका आईपीएल रिकॉर्ड देखिए। 700दृ800 रन लगातार बनाना उनकी क्वालिटी दिखाता है। हम उन पर पूरा भरोसा करते हैं। सूर्यकुमार के साथ भी वही बात है। हम काफी आगे बढ़ चुके हैं अपनी प्लानिंग में और टीम सेटअप में। ऐसे क्वालिटी प्लेयर्स और लीडर्स को बैक करना ही चाहिए।

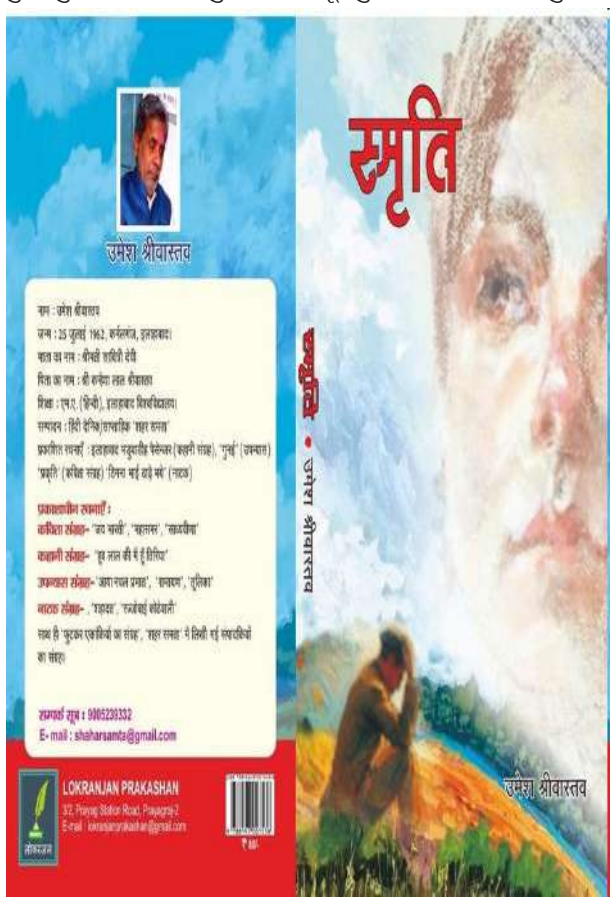

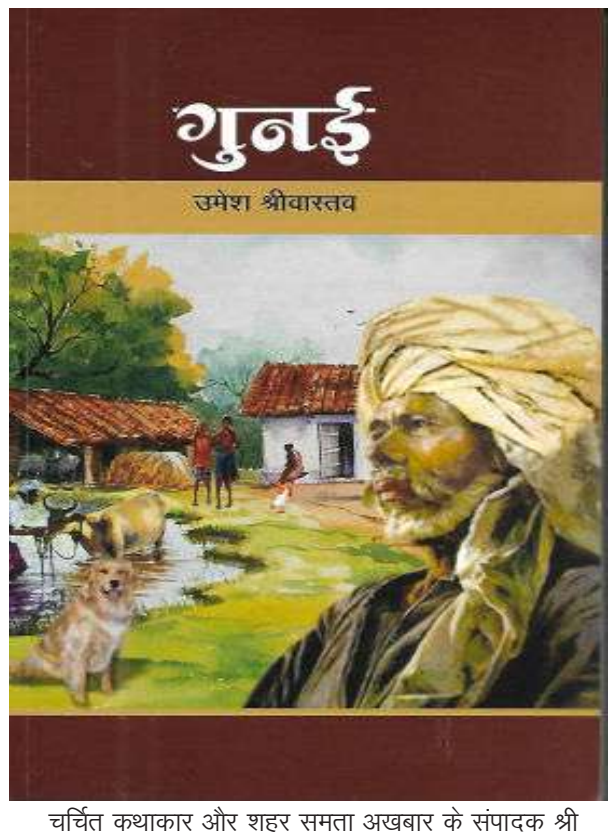

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

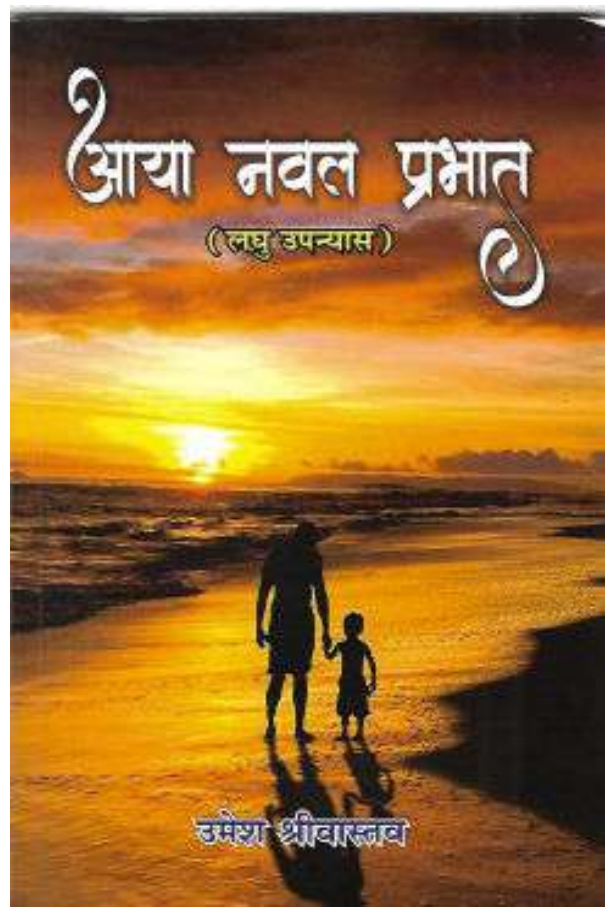

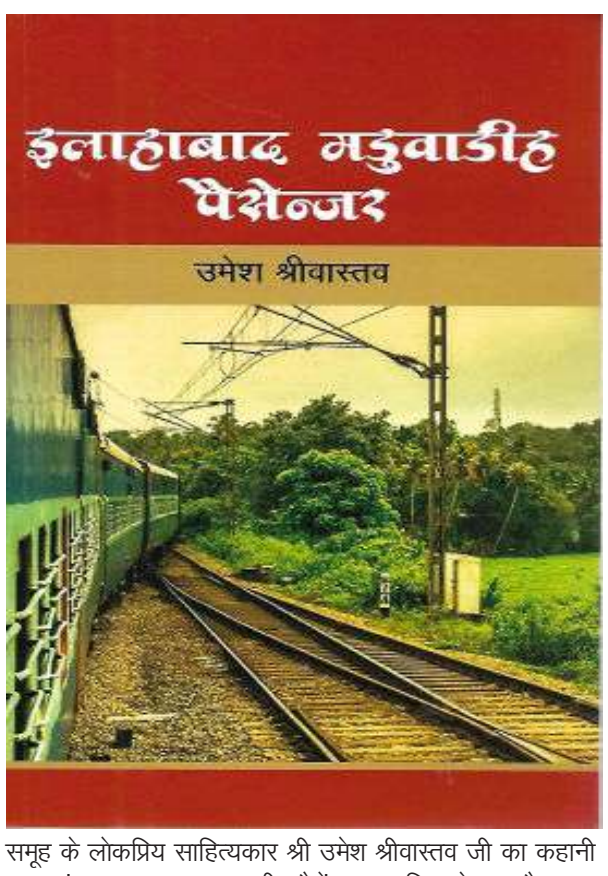

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

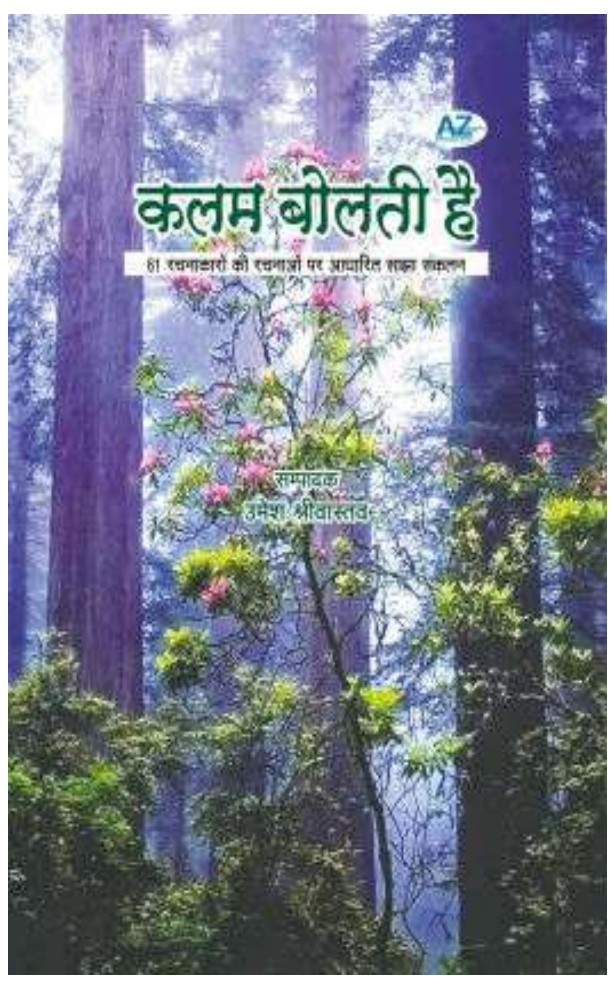

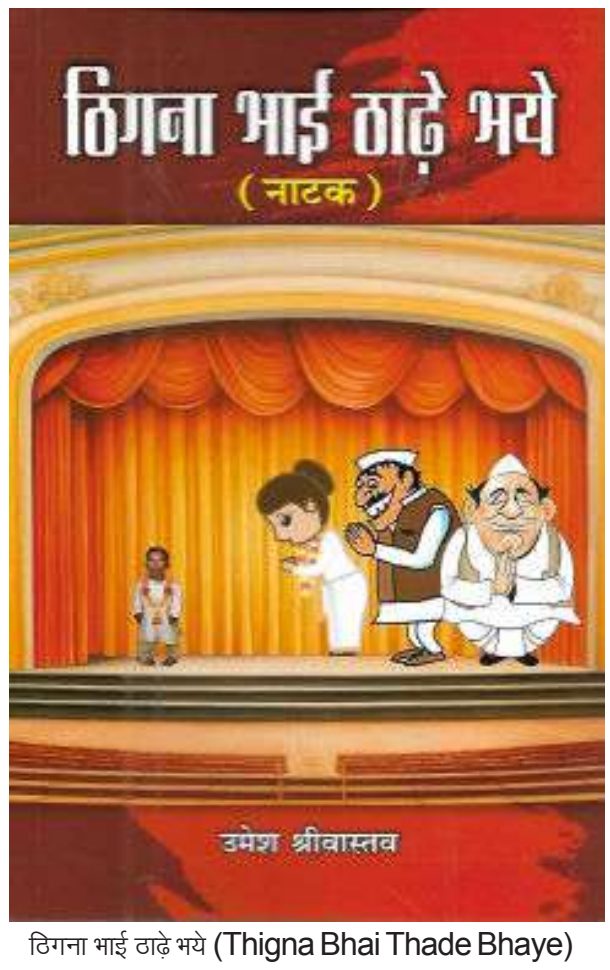

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

हत्यारे–फासिस्ट नहीं करा पाएंगे... बांग्लादेश में चुनाव की तारीखों पर भड़की शेख हसीना की अवामी लीग

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग ने देश के चुनाव आयोग द्वारा गुरुवार को घोषित आम चुनावों को खारिज कर दिया है और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर श्हत्यारा फासीवादीश गुट होने का आरोप लगाया है। हसीना की सत्ता से बेदखल होने के बाद पहली बार होने वाले संसदीय चुनाव 12 फरवरी को बांग्लादेश में होंगे। बयान में अवामी लीग ने देश की सर्वोच्च चुनाव संस्था को अवैध सरकार का अवैध चुनाव आयोग बताया। उसने कहा कि यूनुस सरकार ष्पारदर्शिता और निष्पक्षताष सुनिश्चित करने

में विफल रही है, और साथ ही यह भी कहा कि चुनाव केंद्रित पार्टी अवामी लीग में बांग्लादेश की जनता के लिए खड़े होने की ताकत, साहस और क्षमता है। बांग्लादेश अवामी लीग ने अवैध, कब्ज़ा करने वाले, हत्यारे–फासीवादी यूनुस गुट के अवैध चुनाव आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम की बारीकी से समीक्षा की है। अब यह स्पष्ट है कि वर्तमान कब्ज़ा करने वाली सत्ता पूरी तरह से पक्षपाती है और उनके नियंत्रण में, एक निष्पक्ष और सामान्य वातावरण सुनिश्चित करना असंभव है जहाँ पारदर्शिता, तटस्थता और जनता की इच्छा प्रतिबिंबित हो सके। पार्टी ने सत्ता से बेदखल होने के बाद से भारत में रह रही हसीना के खिलाफ सभी श्मनगढ़ंतश मामलों को वापस लेने की भी मांग की। पार्टी ने आगे कहा कि सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा किया जाना चाहिए और चुनाव एक निष्पक्ष प्रशासन के नेतृत्व में कराए जाने चाहिए। वर्तमान संकट को और बढ़ने से रोकने के लिए, बांग्लादेश अवामी लीग पर लगाए गए सभी प्रतिबंध हटाए जाने चाहिए, बंगबंधु की बेटी शेख हसीना, राष्ट्रीय नेताओं और समाज के सभी वर्गों के लोगों के खिलाफ सभी मनगढ़ंत मामले वापस लिए जाने चाहिए, और सभी राजनीतिक कैदियों को बिना शर्त रिहा किया जानाचाहिए।

सैन फ्रांसिस्को में गैस विस्फोट से घरों को नुकसान, छह लोग घायल

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र के एक इलाके में बृहस्पतिवार को गैस विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई, जिसके कारण छह लोग घायल हो गए। दमकल विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की घटना में कम से कम एक घर पूरी

तरह से नष्ट हो गया, कुछ घरों की खिड़कियां टूट गईं और आसपास के घरों में कंपन महसूस हुई। घटना के बाद सामने आए वीडियो फुटेज में हेवर्ड शहर में स्थित एक घर में अचानक विस्फोट होता दिख रहा है। विस्फोट इतना जोरदार था कि मलबा हवा में फैल गया और भारी धुआं उठने लगा। स्थानीय निवासी ब्रिटनी माल्डोनाडो ने कहा, ''हम घर में बैठे थे और अचानक... सब कुछ हिलने लगा। दीवारों से सामान गिरने लगा और जब हमने कैमरे में देखा तो ऐसा लग रहा था जैसे हम कोई युद्ध का वीडियो देख रहे हों।'' दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि घायल लोग कर्मचारी थे या निवासी और न ही उन्हें चोटों की गंभीरता का पता है। उन्होंने कहा कि इस विस्फोट में दो घर और एक अन्य इमारत सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

म्यामां में अस्पताल पर रात में हुए हवाई हमले में 34 लोगों की मौत, 80 घायल

म्यामां की सेना के हवाई हमले में एक प्रमुख विद्रोही सशस्त्र बल के नियंत्रण वाले क्षेत्र में स्थित एक अस्पताल नष्ट हो गया और इस हमले में 34 मरीज और चिकित्सा कर्मचारी मारे गए। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। खबरों के अनुसार पश्चिमी राज्य रखाइन के जातीय अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले क्षेत्र म्राउक–यू टाउनशिप में बुधवार रात को हुए एक जनरल अस्पताल पर हमले में लगभग 80 अन्य लोग घायल हो गए। सत्ताधारी सेना ने इलाके में किसी भी हमले की कोई खबर नहीं दी है। रखाइन में बचाव सेवाओं के एक वरिष्ठ अधिकारी वाई हुन आंग ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि एक जेट लड़ाकू विमान ने रात 9रू13 बजे दो बम गिराए, जिनमें से एक अस्पताल के रिकवरी वार्ड में गिरा और दूसरा अस्पताल की मुख्य इमारत के पास गिरा। उन्होंने बताया कि वे सहायता प्रदान करने के लिए बृहस्पतिवार तड़के अस्पताल पहुंचे और 17 महिलाओं और 17 पुरुषों की मौत दर्ज की। उन्होंने कहा कि बमों से अस्पताल की अधिकांश इमारत नष्ट हो गई और अस्पताल के पास खड़ी टैक्सियों और मोटरसाइकिलों को भी नुकसान पहुंचा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

अमेरिका के चक्कर में अब इस देश ने भारत पर फोड़ा 50 प्रतिशत वाला टैरिफ बम, पुतिन–चीन भी हैरान!

मेक्सिको ने भारत को तगड़ा झटका दिया। सालों से फ्री ट्रेड के नाम पर खुला बाजार रखने वाले मेक्सिको ने एक ऐसा कदम उठाया जिससे भारत पर 50प्रतिशत तक का टेरिफ लग सकता है। दरअसल मेक्सिकन सीनेट ने नया टेरिफ सिस्टम मंजूर कर दिया है जिसमें उन देशों से आने वाले हजारों प्रोडक्ट पर भारी ड्यूटी लगाई जाएगी जिनके साथ उसका ट्रेड एग्रीमेंट नहीं है। इस लिस्ट में भारत भी शामिल है। साथ में चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे बड़े एशियाई देश भी हैं। कुछ चीजों पर 50ः तक का टैक्स लगेगा। जबकि ज्यादातर सामान 35ः वाले ब्रैकेट में आएंगे। इसमें कार, कार के पार्ट्स, टेक्सटाइल, शूज, प्लास्टिक, मेटल यानी आधी दुनिया का सामान शामिल। अगले साल यानी कि 2026 में यह नए रेट लागू होंगे। भारत से मेक्सिको

को होने वाला निर्यात लगातार बढ़ा है। 2020 में यह 4.25 अरब डॉलर था जो 2024 में बढ़कर 8.98 अरब डॉलर हो गया। यानी लगभग दो गुना हो गया। जबकि 2024 में सिर्फ +.8 अरब डॉलर का ही सामान आयत किया गया था। चलिए अब बीते कुछ सालों में भारत और मेक्सिको के बीच व्यापार कितना बढ़ा है उस पर भी एक नजर डालते हैं। दरअसल 2022 में दोनों देशों के बीच 11.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। हालांकि 2023 में गिरावट आई और यह 10.6 अरब डॉलर रहा। 2024 में उछाल के साथ 11.7 अरब डॉलर तक व्यापार हुआ जो ऑल टाइम हाई है। यानी कि मेक्सिको की ओर से भारत पर 50ः टेरिफ लगाने से जरूर व्यापारिक संबंध खराब होंगे और इसके लिए कोई जिम्मेदार है तो वो ट्रंप ही है। 10 दिसंबर को मेक्सिको की सीनेट ने एक बड़ा बिल पास किया है। जिसमें चीन, भारत, साउथ कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे एशियाई देशों पर 50ः तक टेरिफ लगाने का प्रावधान है। यह बिल्कुल ट्रंप के टेरिफ जैसा है। मेक्सिको में एक्सपोर्ट होने वाले ऑटोमोबाइल, ऑटो पार्ट्स, कपड़े, जूते, चप्पल, प्लास्टिक, स्टील, फर्नीचर,खिलौने, एलुमिनियम और कांच से जुड़े सामान महंगे होंगे। कहा जा रहा है कि मेक्सिको ने यह सब ट्रंप को खुश करने के लिए किया है। ट्रंप ने मेक्सिको पर चीन से दूरी बनाने का दबाव डाला है। 2026 में यूएस मेक्सिको कनाडा ट्रेड डील की समीक्षा होनी है और अमेरिका मैक्सिको को चीन का बैक डोर एंट्री पॉइंट मान रहा है। भारतीय निर्यातकों को चिंता है कि कीमत बढ़ेगी, मार्जिन घटेगा और मेक्सिको में टिकना कठिन हो जाएगा। कई मैक्सिकन कंपनियों ने भी चेतावनी दी है कि भारत और एशिया से आने वाले सामान पर इतनी ड्यूटी लगाने से उनके अपने उत्पादन खर्च बढ़ जाएंगे और महंगाई भी बढ़ेगी। वहीं कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक विशेषज्ञ मानते हैं कि इसकी जड़े अमेरिका में अगले साल यूएस एमसीए की समीक्षा होनी है। यानी अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा वाला व्यापार समझौता। अमेरिका लगातार चीन के सामान पर दबाव बढ़ा रहा है और साथ ही साथ भारत को भी घेरने में लगा है और मेक्सिको पर भी यह लाइन फॉलो करने का दबाव है। माना जा रहा है कि मेक्सिको यह दिखाना चाहता है कि वह अमेरिका के सुर में सुर मिला रहा है ताकि अपने ऊपर लगे अमेरिकी टेरिफ कम हो सके।

193 देशों के सामने भारत ने दिखाया अपना रौद्र रूप, पाकिस्तान को उसी के फंदे में जकड़ दिया

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हमलों की कड़ी निंदा की है। भारत ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया है। पाकिस्तान–अफगानिस्तान के बीच नाजुक शांति बनी हुई थी लेकिन अब दोनों फिर से सीमा पर लड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि भारत युनामा की हवाई हमलों पर चिंता का समर्थन करता है और अफगानिस्तान में निर्दोष महिलाओं, बच्चों और क्रिकेटरों की हत्या की निंदा करता है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का पूर्ण सम्मान करने, विशेष रूप से निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा पर ध्यान देने की अपील में अपनी आवाज जोड़ते हैं। पिछले साढ़े चार साल से हम ऐसा दृष्टिकोण देखते आ रहे

हैं।" उन्होंने अफगानिस्तान के लोगों की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। हरीश ने कहा कि काबुल में दिल्ली के तकनीकी मिशन का दूतावास का दर्जा बहाल करने का भारत सरकार का हालिया निर्णय इस संकल्प को मजबूती से दर्शाता है। उन्होंने कहा, हम सभी संबंधित पक्षों के साथ अपने संबंध बनाए रखेंगे ताकि अफगानिस्तान के समग्र विकास, मानवीय सहायता और दक्षता विकास पहल में अपना योगदान बढ़ा सकें, जो अफगान समाज की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप हो। अक्टूबर में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी छह दिवसीय यात्रा पर नयी दिल्ली आए थे। वह 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद भारत का दौरा करने वाले पहले वरिष्ठ तालिबानी मंत्री थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुत्तकी के साथ व्यापक बातचीत की, जिसमें दिल्ली के तकनीकी मिशन को काबुल में दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की गई और अफगानिस्तान में विकास कार्यों को फिर से शुरू करने का संकल्प लिया गया। भारत ने अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद अपने दूतावास से अधिकारियों को वापस बुला लिया था। जून 2022 में भारत ने काबुल में एक तकनीकी टीम को तैनात कर अपनी कूटनीतिक उपस्थिति फिर से स्थापित की। हरिश ने कहा कि भारत अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर रखता है। उन्होंने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित संगठनों जैसे आईएसआईएल, अलकायदा और लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद समेत उनके सहयोगियों तथा लश्कर–ए–तैयबा के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ सामूहिक प्रयासों को समन्वित करना चाहिए, ताकि वे सीमा पार आतंकवाद में लिप्त न हों।

78000 हुए बेघर, छतों पर फंसे लोग...कई शहर कराए गए खाली; वॉशिंगटन में बाढ़ ने मचाई ऐसी तबाही

वॉशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में लगातार कई दिनों तक हुई तेज बारिश ने हालात बेहद भयावह बना दिए हैं। नदियां रिकॉर्ड स्तर तक भर गई हैं, पुल बह गए हैं और कई घर अपनी नींव से उखड़कर बह गए हैं। हजारों लोग छतों पर फंसे मिले और कई शहर पूरी तरह खाली कराए गए हैं। प्रशासन ने इसे ऐतिहासिक बाढ़ करार दिया है। वॉशिंगटन में आपातकाल

लागू कर दिया गया है और करीब 78,000 लोगों को स्कैजिट नदी के आसपास के इलाकों से तुरंत निकाला गया। राज्यपाल बॉब फर्ग्यूसन ने निवासियों से कहा कि यह सामान्य बाढ़ नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जो राज्य ने पहले कभी नहीं देखी। कई नदियां अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं, जबकि मौसम विशेषज्ञों ने शुक्रवार तक और ज्यादा बाढ़ का खतरा जताया है।

उफान पर नदियां

स्नोहोमिश नदी अपने पुराने रिकॉर्ड से करीब एक फुट ऊपर चली गई, जबकि स्कैजिट नदी भी माउंट वर्नन में रिकॉर्ड तोड़ स्तर पर पहुंच गई। कंक्रीट टाउन में नदी का पानी घरों के दरवाजे तक जा पहुंचा, कुछ घरों से मलबा लगातार बहता रहा। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि पानी इतना ऊंचा उठ सकता है। 2003 की बाढ़ के बाद अब यह इलाका फिर बड़े संकट में है।

बड़े पैमाने पर नुकसान

पूरे राज्य में पुलों और हाईवे पर पानी भर गया है। कई सड़कें पूरी तरह बह गई हैं। स्टेट रूट 410 और इंटरस्टेट–90 के हिस्से बंद कर दिए गए हैं, जहां वाहन पेड़ों, कीचड़ और पानी में फंसे पाए गए। सीमावर्ती शहर सूमास, नूकसैक और एवर्सन में हालत सबसे खराब हैं। सूमास का मेयर ब्रूस बोश ने कहा कि शहर लगभग तबाह हो गया है। अमेरिका और कनाडा बॉर्डर पार करने का रास्ता बंद कर दिया गया है। साथ ही सिएटल–वैंकूवर अम्ट्रैक ट्रेनें रोक दी गई हैं।

हेलीकॉप्टर से लोगों को छतों से निकाला गया

कई परिवार अपने घरों की छतों पर फंसे मिले, जिन्हें हेलीकॉप्टर से निकाला गया। सूमास के कुछ इलाकों में पानी 15 फीट तक भर गया और फायर स्टेशन भी तीन फीट पानी में डूब गया। वेलकम शहर में नदी कटान से दो मकान सीधे नूकसैक नदी में गिर गए। पूर्व सिएटल के स्नोकलमी में हिरणों का झुंड फुटबॉल मैदान में गर्दन तक पानी में तैरता दिखा। कई घरों में लोग पानी निकालने के लिए पंप चलाते नजर आए।

अगले खतरे की चेतावनी

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे तीव्र तूफान और बाढ़ की घटनाएं जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर का संकेत हैं। हालांकि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन से जोड़ना वैज्ञानिक दृष्टि से कठिन है, लेकिन भारी बारिश और चरम मौसम लगातार बढ़ रहे हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि रविवार से एक और नया तूफानी सिस्टम राज्य में प्रवेश करेगा, जो और भारी बारिश लाएगा।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया: चिकित्सक

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की तबीयत बृहस्पतिवार रात बिगड़ गई और उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया। चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। मेडिकल बोर्ड के प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ शाहबुद्दीन तालुकदार द्वारा हस्ताक्षरित एक बयान के अनुसार, उनकी सांस लेने में कठिनाई बढ़ गई, ऑक्सीजन का स्तर गिर गया और कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ गया। बयान में कहा गया है कि 80 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री का पहले हाई फ्लो नेज़ल कैनुला और बाइपैप सपोर्ट'' से इलाज किया जा रहा था लेकिन कोई सुधार न होने पर, उनके फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए उन्हें ऐच्छिक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष का 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

यूक्रेन ने उड़ा दिए रूस के केमिकल प्लांट, फैक्ट्री और रिफाइनरी, ट्रंप भी हैरान!

यूक्रेन ने रूस पर बड़ा हमला किया। केमिकल प्लांट, फैक्ट्री और रिफाइनरी पर ये मिसाइल अटैक किया गया। रूस और यूक्रेन के बीच लगातार युद्ध आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है। यूक्रेन ने कहा कि कहा कि इस सप्ताह उसके लंबी दूरी के ड्रोन ने कैस्पियन सागर में एक प्रमुख अपतटीय तेल प्लेटफार्म पर हमला किया, जो पहले से अज्ञात एक मिशन था और यह उसके युद्ध को वित्तपोषित करने वाले रूसी ऊर्जा राजस्व को काटने के लिए बढ़ते अभियान में उसकी लक्ष्य सूची के नए विस्तार का संकेत देता है। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के एक

सूत्र ने सीएनएन को बताया कि कैस्पियन सागर में तेल उत्पादन से संबंधित रूसी बुनियादी ढांचे पर यूक्रेन का यह पहला हमला है। उन्होंने इसे रूस को एक और चेतावनी बताया कि युद्ध के लिए काम कर रहे उसके सभी उद्यम वैध लक्ष्य हैं। लुकोइल के स्वामित्व वाला फिलानोव्स्की तेल प्लेटफार्म, कैस्पियन के रूसी क्षेत्र में सबसे बड़ा तेल क्षेत्र होने का दावा करता है। सीएनएन ने इस मामले पर टिप्पणी के लिए लुकोइल और रूसी रक्षा मंत्रालय से संपर्क किया है। रूस की ऊर्जा सुविधाओं के खिलाफ यूक्रेन का व्यापक हमला अभियान 2024 की शुरुआत में शुरू हुआ, लेकिन अगस्त की शुरुआत से ही कीव ने इस प्रयास को और तेज कर दिया है। यूक्रेन के प्रतिबंध आयुक्त व्लादिस्लाव व्लासियुक इसे दीर्घकालिक प्रतिबंध कहते हैं जिसका लक्ष्य रूस की सबसे बड़ी वित्तीय जीवनरेखा है। यूक्रेन अब रिफाइनरियों के अलावा तेल और गैस निर्यात अवसंरचना, पाइपलाइन, टैंकर और अब अपतटीय ड्रिलिंग अवसंरचना सहित कई लक्ष्यों को निशाना बना रहा है। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा (ACLED) प्रोजेक्ट के आंकड़ों और ब्छछ के विश्लेषण के अनुसार, नवंबर में एक महीने में अब तक के सबसे अधिक हमले हुए। यह युद्ध के एक नाजुक मोड़ पर आया है। हाल ही में अमेरिका के नेतृत्व में किए गए शांति प्रयासों से रूस की अतिवादी मांगें और भी बढ़ गई हैं, और मॉस्को की सेनाएं मोर्चे के कई क्षेत्रों में धीरे–धीरे आगे बढ़ रही हैं। इसके साथ ही, वैश्विक तेल आपूर्ति की अधिकता से बाजार को संभावित मूल्य वृद्धि से बचाया जा रहा है, जिसका अर्थ है कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगी इस अभियान का लगातार समर्थन कर रहे हैं।

जापान में 6.7 का जोरदार भूकंप, तटीय इलाकों में सुनामी का अलर्ट

जापान के होक्काइडो और तोहोकू क्षेत्रों में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने उत्तरी जापान के प्रशांत तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी सोमवार देर रात उत्तरी जापान में आए 7.5 तीव्रता के भूकंप के बाद जारी किए गए आफ्टरशॉक्स के अलर्ट के बाद आई है। सोमवार रात आए शक्तिशाली भूकंप में 34 से अधिक लोग घायल हो गए। जापानी अधिकारियों के अनुसार, भूकंप रात 11:15 बजे प्रशांत महासागर में आओमोरी तट से लगभग 80 किलोमीटर दूर आया। प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने कहा कि भूकंप से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और राहत एवं बचाव कार्य जारी हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।